राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 23 जुलाई 2023 वर्ष-6, अंक-179 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

महाराष्ट्र के यवतमाल में बाढ़, 2 की मौत

एयरफोर्स के एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू, एसडीआरएफ की पांच टीमें तैनात

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के यवतमाल में भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थित बनी है। कई घरों में पानी भर गया। एक घर की दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एयरफोर्स के ट-17 हेलिकॉप्टर को बुलाया गया है। पांच जगहों पर रञ्ञ्ञ्ञ की टीमें तैनात हैं। रायगढ़ के इर्शालवाडी में लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या 26 हो गई है, 82 लोग लापता हैं। पालघर, मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं पहाड़ों में भी तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तरकाशी और करगिल में 21 जुलाई की देर रात बादल फटने की घटना सामने आई। यमुनोत्री हाईवे पर लैंडस्लाइड हो गया और कई गाड़ियां दब गईं। वहीं, स्कूलों में भी मलबा जमा हो गया। बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। यूपी में बिजनौर के मंडावली में कोटावाली नदी का जलस्तर बढ़ने से एक बस तेज बहाव में फंस गई। बस में करीब 40 यात्री सवार थे। जेसीबी से सभी का रेस्क्यू किया गया। इन राज्यों में तेज बारिशः छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, गोवा, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल। इन राज्यों में हल्की बारिशः तमिलनाडु, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश में बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी और नैनीताल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी के स्कूल में मलबा गिरने से फंसे 150 से ज्यादा छात्रों को बचाया गया। राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर में भारी बारिश हुई है। जोधपुर की एक गली में पानी के तेज बहाव में बाइक, स्कूटी सवार बह गए। यहां 2 घंटे में 66.8 मिमी बारिश हुई। दिल्ली में एक बार फिर यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। ओडिशा के 15 जिलों में अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्ट है। तेलंगाना में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया गया है।

संक्षिप्त

जेनेलिया डिसूजा को मिली थी नाम बदलने की सलाह

हाल ही में जेनेलिया देशमुख ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें शुरूआत में कई फिल्म प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स ने अपना नाम बदलने के लिए कहा था। सिद्धार्थ कानन से बात करते हुए जेनेलिया ने कहा कि उन्हें कई बार अपना नाम बदलकर कोई और नाम रखने की सलाह दी गई, क्योंकि उनका नाम बोलने में आसान नहीं है। जेनेलिया ने कहा कि उन्होंने इस हिदायत पर कभी नहीं ध्यान नहीं दिया और अपने नाम के साथ ही इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। सिद्धार्थ कानन से बात करते हुए जेनेलिया ने कहा- 'जब मैं इंडस्ट्री में नई-नई आई थी तो लोगों ने मुझसे कहा कि आप अपना नाम बदल लो। मुझे नहीं पता इसकी वजह क्या थी लेकिन उनका मानना था कि लोगों के लिए मेरे नाम का उच्चारण करना आसान नहीं है। उन्हें जेनेलिया बोलने में परेशानी आती होगी, लेकिन मैंने कहा मैं अपना नाम तो नहीं बदलूंगी। आज हर कोई मुझे मेरे नाम से जानता है और सब बड़ी आसानी से जेनेलिया बोलते हैं, तो मुझे खुशी है कि मैंने अपना नाम नहीं बदला।' जब सिद्धार्थ ने जेनेलिया से ये पूछा कि क्या उन्हें नाम बदलकर कोई पर्टिकुलर नाम भी सुझाया गया था तो जेनेलिया ने बताया कि उन्हें जीना नाम रखने की सलाह दी गई थी।

सीएम योगी ने बिजनौर को दी 435 करोड़ की सौगात

बिजनौर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बिजनौर दौरे पहुंचे। सीएम योगी पहले नदी किनारे कल्प वृक्ष पौधा लगाया। इसके बाद सीएम योगी ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान सीएम योगी ने राजनीति व सरकार की उपलब्धियों पर कोई बात नहीं की। उन्होंने केवल विकास पर ही फोकस रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदुर कुटी में राजकीय संस्कृत इंटर कॉलेज की भूमि का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा बिजनौर में विदुर कुटी से ही गंगा की धारा होकर गुजरेगी। सीएम योगी ने कहा कि बिजनौर से ही संस्कृत और संस्कृति की धारा फूटेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यहां का इतिहास पांच हजार साल पुराना है। कहा कि भगवान कृष्ण भी यहां आए थे और उन्होंने यहां पर सरसों का साग खाया था। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को जिले में 435 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लेकर विदुर कुटी मंदिर सहित आसपास के क्षेत्र को केसरिया रंग से सजाया गया है। सड़क के दोनों और पेड़ में फुलवारी लगाई गई है। वहीं, जनसभा के पंडाल में 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। बिजनौर चांदपुर मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन सुबह से ही बंद है, जबकि छोटे वाहनों को सीएम योगी के आने से दो घंटे पहले रोक दिया गया। सिर्फ जनसभा में जाने वाले लोगों के वाहनों को ही निकलने की अनुमति दी गई। चांदपुर की तरफ जाने वाले वाहनों को अम्हेड़ा से निकाला गया और इसी मार्ग से वापसी हुई। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहने वाली पुलिस फोर्स को एसपी नीरज कुमार जादौन ने जनसभा स्थल पर ही शुक्रवार की शाम ब्रीफ किया था। जिन्हें ड्यूटी के संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। बताया गया कि बाहरी जिलों से भी ड्यूटी के लिए पुलिस फोर्स पहुंची है। इसके साथ ही यातायात को लेकर भी दिशा निर्देश दिए गए।

मणिपुर वायरल वीडियो केस में 5वीं गिरफ्तारी

मणिपुर। दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने के मामले में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले गिरफ्तार किए गए 4 आरोपियों की शुक्रवार को कोर्ट में पेशी हुई। उन्हें 11 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। उधर, चुराचांदपुर जिले में 5 हजार कुकी महिलाओं ने काले कपड़े पहनकर इस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। इंफाल में भी महिलाएं सड़कों पर उतरीं और टायर जलाए। सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। निर्वस्त्र की गई एक महिला के पति कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कारगिल युद्ध में देश को दुश्मनों से बचाया, लेकिन दंगाइयों से अपनी पत्नी की इज्जत नहीं बचा सका।' पीड़ित के पति असम राइफल्स में सूबेदार थे। महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना 4 मई को थोउबाल जिले में हुई थी। इसका वीडियो 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

सीमा की तबीयत बिगड़ी, डिहाइड्रेशन की शिकायत

नोएडा। सीमा हैदर की तबीयत बिगड़ गई है। शनिवार (22 जुलाई) सुबह उसे डिहाइड्रेशन की दिक्कत हुई। डॉक्टरों ने उसे ग्लूकोज चढ़ाया। वहीं, सीमा हैदर ने शुक्रवार (21 जुलाई) को राष्ट्रपति को 38 पेज की दया याचिका भेजी। इसमें अपील की कि उसको भारत में ही रहने दिया जाए। भारत की नागरिकता दी जाए, क्योंकि अब वह भारत की बहू है। उसकी और सचिन की शादी हो चुकी है। वह हिंदू धर्म भी अपना चुकी है। उसने अपनी दलीलों में कहा कि प्यार के सिवा उसकी जिंदगी का कोई मकसद नहीं है। सीमा ने दया याचिका में हीर-रांझा, लैला-मजनूं, शीरीं-फरहाद की लव स्टोरी का जिक्र किया है। याचिका में ये भी कहा कि वह सचिन से प्यार की खातिर पाकिस्तान से भारत आई है और यहीं रहना चाहती है। सिर्फ यही नहीं, उसने बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट, अक्षय कुमार का भी नाम लिखते हुए सवाल किया कि जब विदेशी नागरिकता होने के बावजूद ये लोग भारत में रह सकते हैं तो वह क्यों नहीं? सीमा ने लिखा कि वह हिंदू धर्म अपना चुकी है। उसने कभी भी झूठ नहीं बोला। एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) अभी उसकी जांच कर रहा है, लेकिन आगे वह CBI, रॉ, NIA किसी से भी जांच के लिए तैयार है। यही नहीं, पॉलीग्राफ टेस्ट, ब्रेन मैपिंग टेस्ट, लाई डिटेक्टर टेस्ट और DNA टेस्ट के लिए भी वह तैयार है। सीमा मामले की जांच ATS कर रही है। दो दिन में 18 घंटे तक ATS ने सीमा से पूछताछ की। हालांकि, जासूसी एंगल में कुछ ठोस हाथ नहीं लगा।

मोदी ने 70 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र बांटे

कांग्रेस का नाम लिए बगैर बोले- इन्होंने फोन बैंकिंग घोटाला किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (22 जुलाई) सातवें रोजगार मेले में 70 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपा। देश में 20 से भी ज्यादा राज्यों में 44 जगहों पर इसका आयोजन किया गया। ढट मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना उनकी सरकार के दौरान हुए फोन बैंकिंग घोटाले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने नौकरी पाने वाले युवाओं से कहा कि 1947 में आज (22 जुलाई) ही के दिन संविधान सभा ने तिरंगे का डिजाइन फाइनल किया था। आज के दिन आपको नौकरी मिलना प्रेरणादायक बात है। सरकारी नौकरी में रहते हुए आपको हमेशा ये कोशिश करनी है कि तिरंगे की आन-बान-शान में कोई आंच न आए। इस मौके पर पीएम मोदी ने देश के बैंकिंग सेक्टर पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में फोन बैंकिंग घोटाला हुआ था, जिससे बैंकिंग सेक्टर की कमर टूट गई थी। 2014 में हमने बैंकिंग इंडस्ट्री को फिर खड़ा करने की कोशिश शुरू की और आज भारत का बैंकिंग सिस्टम दुनिया के सबसे मजबूत सिस्टम में गिना जाता है। 22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब ढट ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना है। ढट ने पिछले 8 महीनों में 6 रोजगार मेलों में 4 लाख 33 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लैटर दिए हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत उन देशों में शामिल है जहां बैंकिंग इंडस्ट्री सबसे मजबूत मानी जाती है, लेकिन 9 साल पहले ऐसे हालात नहीं थे। पिछली सरकार के दौरान हमारे बैंकिंग क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर विनाश देखा है। आज हम डिजिटल लेनदेन करने में सक्षम हैं, लेकिन 9 साल पहले जो सरकार थी, उस दौरान फोन बैंकिंग 140 करोड़ लोगों के लिए नहीं थी। मोदी ने कांग्रेस का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग एक खास परिवार के करीबी थे, वे बैंकों को फोन करते थे और उन्हें हजारों करोड़ रुपए के लोन मिल जाते थे। ये लोन कभी चुकाए नहीं जाते थे। इनकी भरपाई के लिए और लोन दिए जाते थे। यह 'फोन बैंकिंग घोटाला' पिछली सरकार के दौरान हुए सबसे बड़े घोटालों में से एक था। पीएम ने कहा कि इस घोटाले की वजह से बैंकिंग सेक्टर की कमर टूट गई। 2014 में हमने अपने बैंकिंग क्षेत्र को पुनर्जीवित करना शुरू किया। हमने देश में सरकारी बैंकों के प्रबंधन को मजबूत किया।

देशभर से चुने गए युवाओं को राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जल संसाधन विभाग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग और गृह मंत्रालय में नियुक्ति मिलेगी। सातवें रोजगार मेले में अलग-अलग राज्यों से केंद्रीय मंत्री भी जुड़े। अहमदाबाद से मनसुख मांडविया, शिमला से अनुराग सिंह ठाकुर, मुंबई से स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल, नागपुर से नितिन गडकरी, जयपुर से अश्विनी वैष्णव, पटना से केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस, वडोदरा से पुरषोत्तम रूपाला, फरीदाबाद से भूपेंद्र यादव, बेंगलुरु से प्रहलाद जोशी, चंडीगढ़ से हरदीप सिंह पुरी, सिकंदराबाद से जी किशन रेड्डी और सागर से डॉ. वीरेंद्र कुमार रोजगार मेले में शामिल हुए।

बदायूं में दो बहनों की मौत

बदायूं। कादरचौक थाना क्षेत्र में गांव मुस्कारा के नजदीक शनिवार सुबह भैंसोर नदी में दो बहनें डूब गईं, जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों चचेरी-तहेरी बहनें थीं। गोताखोरों ने दोनों के शव नदी से निकाले। घटना से मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। गांव मुस्कारा निवासी जय सिंह की पुत्री सत्यवती (12) शनिवार सुबह करीब नौ बजे अपनी चचेरी बहन शोभा उर्फ नन्ही (10) पुत्री ज्ञान सिंह के साथ भैंसोर नदी के नजदीक भैंस चराने ले गईं थीं। इस समय भैंसोर नदी में बाढ़ का पानी आया हुआ है। इससे नदी में उफान है। दोनों लड़कियां अपनी-अपनी भैंसों पर बैठकर नदी पार करने की कोशिश कर रही थीं। बीच नदी में पहुंचते ही उनकी भैंसें पानी में उतरा कर पलट गईं, जिससे दोनों बहनें नदी में डूब गईं। उस दौरान नदी किनारे एक युवक खड़ा था। उसने दोनों को डूबता देखकर शोर मचा दिया। गांव के कुछ लोग आ गए।

दोनों बहनों को उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गए, लेकिन दोनों बहनों को नहीं खोज पाए। सूचना पर तहसील प्रशासन और थाना पुलिस पहुंच गई। दोनों की तलाश में गोताखोर लगाए गए। दोपहर करीब एक बजे दोनों के शव निकाले जा सके।

गहलोत और नीतीश कुमार सरकार पर बरसे अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार के बाद महिला सुरक्षा के मुद्दे पर देशभर में काफी चर्चा हो रही है। मणिपुर की घटना को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल लगातार केंद्र और मणिपुर सरकार पर निशाना साध रही है। एक तरफ जहां विपक्षी दलों की मांग है कि मणिपुर में एन बीरेन सिंह की सरकार को बर्खास्त किया जाए। वहीं, भाजपा ने भी विपक्षी दलों पर महिला सुरक्षा को लेकर पलटवार किया है। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के राष्ट्रीय भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। अनुराग ठाकुर ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के कुछ राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं और कई राज्यों में इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। बिहार के बेगूसराय जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए अत्याचार के खिलाफ बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस जिले में जो हुआ वह हमारे सामने है, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध में राजस्थान नंबर वन राज्य बन गया है।

टमाटर के दामों में आएगी गिरावट

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि महाराष्ट्र के नासिक, नारायणगांव और औरंगाबाद बेल्ट और मध्य प्रदेश से नई फसल की आवक बढ़ने से टमाटर की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। राज्यसभा सदस्य के लिखित प्रश्न का जवाब देते हुए राज्य उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, अश्विनी कुमार चौबे ने बयान देते हुए कहा कि टमाटर की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। मंत्री ने आगे कहा कि उपभोक्ता मामले विभाग टमाटर सहित 22 आवश्यक खाद्य वस्तुओं की दैनिक कीमतों की निगरानी करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टमाटर की कीमतों में मौजूदा वृद्धि को रोकने और उपभोक्ताओं को इसे सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने के लिए, सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत टमाटर की खरीद शुरू कर दी है और इसे उपभोक्ताओं को अत्यधिक रियायती दर पर उपलब्ध करा रही है। चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) लगातार आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की मंडियों से टमाटर खरीद रहे हैं और उपभोक्ताओं को कीमत पर सब्सिडी देने के बाद इसे दिल्ली-एनसीआर, बिहार और राजस्थान के प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों में किफायती कीमतों पर उपलब्ध करा रहे हैं। मंत्री ने कार्तिकेय शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए कहा, "शुरूआत में टमाटर को 90 रुपये प्रति किलोग्राम के खुदरा मूल्य पर बेचा गया था, जिसे 16 जुलाई से घटाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया और 20 जुलाई से इसे घटाकर 70 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया। टमाटर की कीमतों में वर्तमान वृद्धि किसानों को टमाटर की अधिक फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे आने वाले महीनों में कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है।" मंत्री ने कहा, "कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीएएफडब्ल्यू) खराब होने वाली कृषि-बागवानी वस्तुओं के उत्पादकों को चरम आगमन अवधि के दौरान बंपर फसल की स्थिति में संकटपूर्ण बिक्री करने से बचाने के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) लागू करता है, जब कीमतें आर्थिक स्तर और उत्पादन लागत से नीचे गिर जाती हैं। केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा, "योजना के तहत, कीमत में गिरावट के कारण होने वाले नुकसान को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच 50:50 के आधार पर वहन किया जाता है। एमआईएस की शुरूआत के बाद से आज तक, कृषि और किसान कल्याण विभाग को टमाटर की संकटपूर्ण बिक्री को संबोधित करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप के लिए राज्य सरकारों से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है।"

दिलचस्प होगा 2024 का चुनावी मंजर

कुमार कृष्णान

> हेमंत मंडली सरना धर्म कोड, '32 का खतियानी राइट आदि-आदि कई कार्ड चल चुकी है। अब 2019 के पहले वाले हेमंत नहीं हैं। वे बतौर सरकार जिला-जिला घूमने और मौके पर समस्याओं का समाधान करने में तत्परता दिखाने लगे हैं। झामुमो-कांग्रेस का संगठन भी कमजोर नहीं है. किन्हीं कारणों से वे तंग-तबाह न हुए तो इधर हेमंत, उधर बाबूलाल, '24 का चुनावी मंजर बहुत ही दिलचस्प होगा।

झारखंड में विधानसभा के चुनाव समय के पहले 2024 के अप्रैल-मई में संभावित लोकसभा चुनाव के साथ ही कराए जा सकते हैं। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन की अगुवाई करने वाले झामुमो और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने अपने नेताओं-कार्यकताओं को समय पूर्व चुनाव की संभावनाओं के मद्देनजर अलर्ट करना शुरू कर दिया है।

झारखंड की पांचवीं विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को पूरा हो रहा है। यानी सामान्यतः अगले चुनाव का शेड्यूल अक्टूबर से दिसंबर 2024 के बीच है, लेकिन लोकसभा के साथ अप्रैल-मई में चुनाव की संभावनाओं की सुगबुगाहट प्रशासनिक हलकों में भी सुनाई पड़ रही है। झामुमो की सेंट्रल कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी के नेताओं-कार्यकताओं को अलर्ट करते हुए कहा, 'हमारा विरोधी हर वक्त चुनावी मोड में रहता है। उनके पास संसाधन भी है और चालाकी भी। वह कब किस हद तक जा सकते हैं, अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। इसलिए क्षेत्र में जाएं। हमारी सरकार की उपलब्धियां जनता को बताएं।' जाहिर है, सोरेन को भी अंदाजा है कि विधानसभा के चुनाव तय समय के छह-सात महीने पहले ही कराए जा सकते हैं। उन्होंने विरोधी यानी भाजपा की जिस 'चालाकी' की चर्चा की, उसका संकेत यही निकाला जा रहा है।

झामुमो सेंट्रल कमिटी की बैठक में तय हुआ कि पार्टी चुनावी मोड में काम करेगी। सेंट्रल कमिटी का विस्तार लंबे समय से पेंडिंग था। निर्णय लिया गया कि अगले पंद्रह दिनों के अंदर नई कमेटी घोषित कर दी जाएगी। इसके अलावा 50 लाख सदस्य बनाने, पार्टी की उपलब्धियां बताने के लिए पार्टी की ओर से प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। इधर, भाजपा पहले ही चुनावी मोड में आ चुकी है। अब विधानसभा स्तरीय सम्मेलनों का सिलसिला शुरू हो रहा है। 9 जुलाई को हजारीबाग जिले के बरही में भाजपा के विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कार्यकताओं से कहा कि वे लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहें। दोनों चुनाव एक साथ कराए जाने की स्थिति बन सकती है।

भाजपा ने पिछले ही हफ्ते राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री रहे बाबूलाल मरांडी को राज्य में पार्टी का नया अध्यक्ष बनाया है। उनके अध्यक्ष बनने की संभावनाएं पिछले छह-आठ महीने से व्यक्त की जा रही थीं। वह राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर लगातार हमलावर हैं। कोई दिन ऐसा नहीं होता, जब वे सीधे हेमंत सोरेन पर हमला नहीं बोलते। चुनाव के दिनों में विरोधियों पर आक्रमण के लिए नेता जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वह नजारा मरांडी के ट्विटर हैंडल पर रोज देखा जा सकता है।

झारखंड पर मिशन-2024 का डबल लोड है, अप्रैल-मई में संसदीय चुनाव और नवंबर-दिसंबर में विधानसभा का चुनाव। लोकसभा चुनाव हो कि विधानसभा चुनाव, बाबूलाल की जीत और हार का पलड़ा लगभग बराबर रहा है। इस हिसाब से उनके पास अनुभव की कतई कमी नहीं है। चुनाव मैदान में वे 1991 से डटे रहे हैं। संगठन और सरकार चलाने का भी अनुभव है। झारखंड के गांव-गांव में घूमने का अनुभव है और एनडीए और यूपीए दोनों के साथ रहने का भी अनुभव है। ऐसे में प्रदेश की कमान सौंप पार्टी ने कोई गलती नहीं की है। उनसे उम्मीद बनती है, लेकिन उम्मीदों पर खरा उतरना उनको ही है। वे जब 'वनांचल भाजपा' का अध्यक्ष हुआ करते थे, तब हरमू कॉलोनी के छोटे से फ्लैट में उनकी कुर्सी लगती थी। अब उनकी अगवानी के लिए पार्टी का महल है, और जैसा कि कहा जाता है कार्यकताओं की सबसे बड़ी फौज भी। लेकिन सवाल है, सामने वाला भी कमजोर नहीं है। बेशक 1998 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने शिबू सोरेन जैसे व्यक्तित्व को हराया था, लेकिन उनका अगला मुकाबला शिबू के पुत्र हेमंत सोरेन से है और फिलहाल हेमंत 'सरकार' हैं। हेमंत ने 2019 में राज्य की 28 जनजातीय सीटों में से अपने गठबंधन को 25 सीटें दिलाने का रिकार्ड कायम किया था। उनके ही नेतृत्व में उनकी पार्टी झामुमो ने विधानसभा की 30 सीटें जीतने का इतिहास बनाया था। सभी सीटों पर उम्मीदवार देने के बावजूद उस समय जेवीएम यानी बाबूलाल के खाते में केवल एक मांडर एसटी सीट आ पाई थी, जिसके विधायक बंधु तिर्की चुनाव बाद कांग्रेस में चले गए थे।और खासकर झारखंड का हर कोई जानता है कि सरकार बनाने में इन 28 सीटों की भूमिका अहम होती है। विधानसभा की 81 ही तो सीटें हैं।

बाबूलाल को जाननेवाले जानते हैं कि वे बिना थके काम करते हैं, बिना हताश हुए काम करते हैं और स्वभाव से विनम्र और लचीले हैं। आन पर आने पर किसी की सुनते भी नहीं। उनके खाते में 1998 में भाजपा को झारखंड की 14 में से 12 लोकसभा सीटें दिलाना दर्ज है। तब की अटल-आडवाणी की सरकार ने उनको मंत्री बनाया था, जब एकीकृत बिहार से कुल जमा चार ही मंत्री बनाये गये थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में जब यशवंत सिन्हा, रीता वर्मा, रवींद्र पांडेय आदि-आदि सभी दिग्गज हार गये थे, तब अकेले बाबूलाल ने जीत दर्ज की थी, वह भी जनरल सीट कोडरमा से। मनभेद होने पर 2006 में इन्होंने भाजपा त्याग कर जेवीएम नामक पार्टी का गठन किया था। 2014 के लोकसभा चुनाव से ही भाजपा इनको मनाने-पटाने में लगी हुई थी, लेकिन 17 फरवरी 2020 को जेवीएम का विलय कराकर ये भाजपा में आये।रांची के जिस मंच से इनको भाजपा जॉइन कराने अमित शाह और जेपी नड्डा आए थे, उस पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और रघुवर दास भी विराजमान थे। सवाल तो है, भाजपा के मिशन-2024 में बाबूलाल के कंधे से कंधा मिलाकर कौन-कौन चलते हैं। 2005 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल और अर्जुन मुंडा को राम-लखन की जोड़ी कहा जाता था। वह जोड़ी फिर कायम हुई तो बेहतर परिणाम की आशा की जा सकती है। केंद्रीय भाजपा में भले ही 'कड़ा अनुशासन' हो, लेकिन झारखंड भाजपा में फिलहाल वही स्थिति नहीं है। यहां गुट हैं और गुटों के अंदर भी गुट हैं। बाबूलाल जो कार्यसमिति बनाएंगे, उसका ढांचा बहुत कुछ कह-बता देगा।

हेमंत मंडली सरना धर्म कोड, '32 का खतियानी राइट आदि-आदि कई कार्ड चल चुकी है। अब 2019 के पहले वाले हेमंत नहीं हैं। वे बतौर सरकार जिला-जिला घूमने और मौके पर समस्याओं का समाधान करने में तत्परता दिखाने लगे हैं। झामुमो-कांग्रेस का संगठन भी कमजोर नहीं है. किन्हीं कारणों से वे तंग-तबाह न हुए तो इधर हेमंत, उधर बाबूलाल, '24 का चुनावी मंजर बहुत ही दिलचस्प होगा।

संपादकीय

शुगर फ्री कैंसर

चीनी के विकल्प के रूप में जिस रासायनिक मिठास 'शुगर फ्री" का उपयोग तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां करती रही हैं उनसे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर नये सिरे से बहस छिड़ गई है। कृत्रिम रूप से खाद्य पदार्थों को मीठा करने वाले एस्पार्टेम को कैंसर कारक के रूप में वगीर्कृत तो किया गया है, लेकिन इसके सेवन को लेकर निर्णायक चेतावनी जारी न किये जाने पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के पोषण व खाद्य सुरक्षा विभाग के तहत दो समूहों में हजारों वैज्ञानिकों के शोध अध्ययन सामने के बाद कृत्रिम मीठे को कैंसर के कारकों के रूप में वगीर्कृत किया गया था। ये निष्कर्ष सामने आना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया में भीमकाय कंपनियां कृत्रिम मीठे से बने उत्पादों का खरबों रुपये का कारोबार करती हैं। साथ ही दुनिया के तमाम इस तरह के शोधों को प्रभावित करने का भी दमखम रखती हैं। साथ ही महाशक्ति का राजाश्रय भी उनकी ताकत होती है। यही वजह है कि इस कृत्रिम मिठास को कैंसर कारक वर्ग में शामिल करने के बावजूद इस बाबत कोई निर्णायक दिशा-निर्देश नहीं आए कि इसका उपयोग न किया जाये। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि शुगर फ्री से कैंसर की आशंका को लेकर स्पष्ट चेतावनी सामने आनी चाहिए। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह जरूर कहा है कि लोग एस्पार्टेम वाले शुगर फ्री और डाइट खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। दरअसल, अब तक धारणा रही है कि चीनी से दो सौ गुना अधिक मीठे व कम कैलोरी खपत वाले पदार्थ से शुगर के घातक प्रभावों से बचा जा सकता है। दरअसल, यह पदार्थ विश्व की नामी कंपनियों के शीतल पेय पदार्थों के अलावा च्यूइंग गम व टूथपेस्ट आदि हजारों खाद्य पदार्थों में मिलाया जाता है। बीती सदी के अस्सी के दशक में उपयोग में आई कृत्रिम मिठास इससे पहले ही विवादों में घिरी रही है, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके नुकसान के प्रति चेताते रहे हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के पोषण और खाद्य सुरक्षा विभाग की पहल के बाद इन पदार्थों के सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के यथार्थ को दुनिया के सामने रखा है। कुछ लोगों की दलील है कि सीमित मात्रा में कृत्रिम मिठास वाले पदार्थ लेने से समस्या नहीं होती है। दरअसल, समस्या इसके अधिक मात्रा में सेवन करने से पैदा होती है। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर विशेषज्ञों की समिति अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान संस्था के इसे संभावित कैंसर कारकों की सूची में वगीर्कृत करने के बाद उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी है। ऐसे में मांग की जा रही है कि इसके उपयोग की सुरक्षित मात्रा का नियामक संस्थाएं निर्धारण करें। कुछ लोगों का अब तक मानना रहा है कि हृदय व मधुमेह रोगों के विस्तार में भी इसकी भूमिका रही है। वहीं इसके उपयोग के पक्षधर बताते हैं कि वजन के हिसाब से इसका उपयोग सुरक्षित होता है। लेकिन सवाल ये है कि बड़ी मात्रा में बच्चों द्वारा इसका उपयोग करने से उपजी चिंताएं अलग हैं क्योंकि उनसे संयम की उम्मीद कैसे की जाये।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

डेटा से नहीं आटा से भरेगा पेट

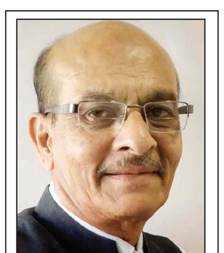

सनत जैन

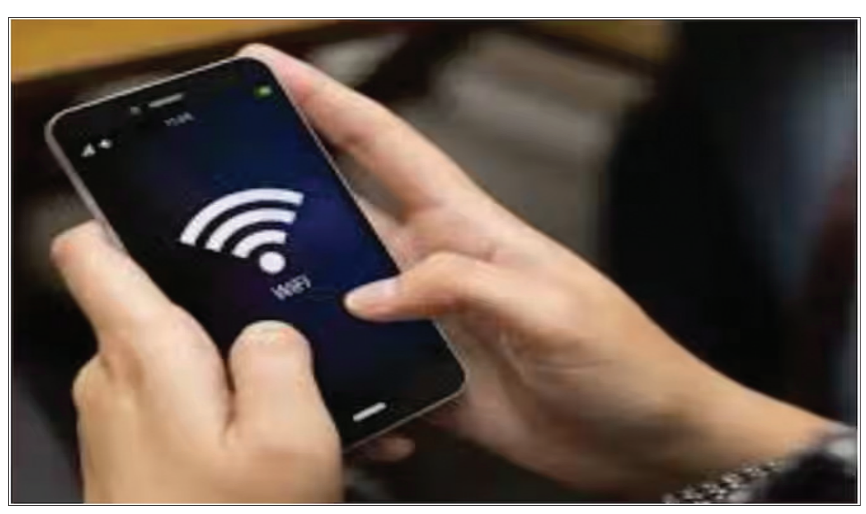

इन दिनों सारी दुनिया डेटा के पीछे भाग रही है। सारे देश डेटा की बात कर रहे हैं। लेकिन आटा को सब भूल गए थे। समय कभी रुकता नहीं है, जिस तरह से पृथ्वी,सूर्य और चांद निश्चित गतिशीलता के साथ एक दूसरे की परिक्रमा करते रहते हैं। ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर घड़ी की सुई का आना गतिशीलता का प्रमाण है। उसी नियति मे अब हम भी डेटा की जगह आटे की चिंता करने मजबूर हो रहे हैं। 50 से लेकर 70 के दशक तक भारत में भी लाल गेहूं का आयात होता था। लोगों को पेट भरने के लिए पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध नहीं था। वही स्थिति एक बार फिर वैश्विक स्तर में देखने को मिलने लगी है। विश्व के देश खाद्यान्न की कीमतों को स्थिर रखने के लिए विशेष रूप से गेहूं और चावल जो भूख मिटाने वाला महत्वपूर्ण खाद्यान्न है। उनकी कीमतों पर नियंत्रण करने, आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, सारे देश हैरान परेशान होकर आटा और चावल की बात करने लगे हैं। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सारी दुनिया के देशों में भारी खाद्यान्न संकट था। पिछले 5 दशकों में दुनिया के देशों में खाद्यान्न का उत्पादन तेजी के साथ बढ़ा था। जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ खाद्यान्न उत्पादन बढ़ने से लोगों को पेट भर भोजन मिल पा रहा था। इसके साथ ही दलहन, तिलहन और दुग्ध उत्पादन जो मानवीय जीवन के लिए जरूरी उत्पाद है। उनका भी उत्पादन लगातार बढ़ता रहा। जिसके कारण हम उनकी अहमियत को भूल गए थे।

रूस और यूक्रेन के युद्ध ने एक बार फिर खाद्यान्न की अहमियत सारी दुनिया के देशों को समझा दी है। खाद्य वस्तुओं के दाम तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। इस वृद्धि में उत्पादक किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। सारा लाभ कारपोरेट बिचोलिया कंपनियां उठा रही हैं। सरकारें भी टैक्स के रूप में भारी कमाई कर रहे हैं। अब खाद्यान्न की कमी,सभी देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई है। रूस ने यूक्रेन से निर्यात होने वाले गेहूं एवं खाद्यान्न पर जो छूट दे रखी थी। उसे समाप्त कर दिया है। वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतें 5 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई हैं। बढ़ी हुई कीमतों पर भी गेहूं उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाद्य तेलों के उत्पादन पर भी इसका असर पड़ा है। चावल निर्यात को लेकर भी विसंगति देखने को मिल रही है। कई देशों में चावल की भारी मांग है,लेकिन उन्होंने अपनी मांग के अनुसार चावल उपलब्ध नहीं हो रहा है। कई देशों की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है, कि वह खाद्यान्न का आयात ही नहीं कर पा रहे हैं।

जी-20 समूह के वित्त मंत्रियों की बैठक भारत में हो रही है। रूस ने जो प्रतिबंध लगाए गए हैं। वित्त मंत्रियों ने उसकी निंदा करते हुए,खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ने वाले असर पर चिंता जाहिर की है। पिछले एक दशक में खाद्यान्न की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढी हैं। कृषि उत्पादन की लागत लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसका मुख्य कारण सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स बढ़ाना प्रमुख कारण है। खाद्यान्न परिवहन की लागत बढ़ती जा रही है। किसानों की उत्पादन लागत बढ़ने से कई देशों में किसानों को लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। आर्थिक दृष्टि से किसान बहुत कमजोर होता है। वह कर्ज में डूबा हुआ है। जैसे ही फसल तैयार होती है, उसे ओने पौने दामों में बेचने के लिए विवश होना पड़ता है। बड़ी-बड़ी कारपोरेट कंपनियां उस समय सस्ते में गेहूं चावल और अन्य खाद्यान्न खरीद कर स्टाक करती हैं। उसके बाद कई गुना ज्यादा दामों में बेचकर भारी मुनाफा कमा रही हैं। पिछले दो दशक में यह प्रवृत्ति, सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। खाद्यान्न पर अब किसानों का नहीं कारपोरेट कंपनियों का अधिकार हो रहा है। अब जो नई परिस्थिति देखने को मिल रही है। उसमें डेटा की जगह आटा की बात होने लगी है। पेट नहीं भरेगा, तो डाटा,एआई तकनीकी और रोबोट इत्यादि से जीवन तो चलेगा नहीं। जी-20 की बैठक में वित्त मंत्रियों की यह चिंता दिखने लगी है। पिछले 5 वर्षों में कर्ज की मार से दुनिया के दर्जनों देश लगभग दिवालिया हो चुके। कई देशों का खाद्यान्न संकट विद्रोह का कारण बनने लगा है। इसलिए अब राज नेताओं की चिंता भी डाटा के साथ-साथ आटा मे भी दिखने लगी है। एक बार फिर इतिहास अपने आप को दोहराता हुआ नजर आ रहा है। एक बार फिर सारी दुनिया के देश खाद्यान्न संकट में फंसते हुए दिख रहे हैं।

शिव नगरी: अब होगा क्रिकेट का नया धाम

संदीप भूषण

बीते पांच दशक में अंग्रेजों की धरती पर जन्मे क्रिकेट का रंग काफी हद तक तिरंगा हो चला है। भारत में इस खेल को वह सब मिला, जिसकी कल्पना शायद इसके जनक ने भी नहीं की होगी। वैसे तो अंग्रेजी हुकूमत के के साथ ही देश में क्रिकेट की शुरू आत हो गई थी, लेकिन 1983 विश्व कप की जीत ने भारतीय आवाम की दिल में इसे खास जगह दिलाई। देखते-देखते भारत देश के लिए यह जेंटलमैन खेल धर्म हो गया, विश्व कप जैसे टूनामेंट त्योहार और सुनील गावस्कर व सचिन तेंदुलकर सरीखे खिलाड़ी भगवान।

भारत में क्रिकेट को मिली ख्याति ने वैश्विक बाजार में इसे सबसे अधिक कमाऊ खेलों में शामिल कर दिया। इसने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को न सिर्फ नई प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया बल्कि देश के हर कोने में क्रिकेट से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में भी अहम भूमिका निभाई। इसी का परिणाम है कि आज पूर्वोत्तर के दुर्गम क्षेत्रों से लेकर हिमालय की तराई तक में क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण हो चुका है। क्रिकेट से जुड़े आधारभूत ढांचे के विकास की इसी कड़ी में भारत की सांस्कृतिक राजधानी काशी को अगले वर्ष के अंत तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिल सकती है। यह स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगाङ्क ताकि इसमें सभी तरह के क्रिकेट मैचों का आयोजन किया जा सके। कई खासियत से लैस इस स्टेडियम का संचालन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के हाथों में होगा। इसके निर्माण के बाद एक तरफ जहां सरकार को राजस्व लाभ होगाङ्क वहीं पूर्वांचल के लोगों का भी बड़ा फायदा होने वाला है। करीब 31 एकड़ के विस्तृत परिसर पर में बन रहे इस स्टेडियम के निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपये की लागत की बात कही गई है। इसकी सिटिंग कैपिसिटी यानी बैठने की क्षमता 30 हजार होगी। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश काफी पहले से ही क्रिकेट प्रतिभाओं का खान रहा है। ऐसे में काशी का यह स्टेडियम प्रदेश से सटे राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का बेहतरीन केंद्र बनेगा। भारत के खेलों में सफलता की बात करें तो अब तक 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिभावान खिलाड़ियों की जड़ें गांवों की मिट्टी में गहरी पैठ बनाए हुए है। ऐसे में सरकार और खेलों के विकास के लिए काम करने वाली अन्य संस्थाओं को समझ आ गई है कि देश के कोने-कोने में पंचायत और जिला स्तर पर आधुनिक सुविधाएं मौजूद होने चाहिए। मौजूदा समय में अनेक राज्य सरकारें ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों के गांव या उसके आसपास के क्षेत्रों में स्टेडियम या ट्रेनिंग सेंटर बनाने की घोषणाएं कर रही हैं और उस पर तेजी से काम कर रही है। खेल वैसे तो राज्य का विषय है, लेकिन केंद्र सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों को साथ लेकर देशभर के ग्रामीण इलाकों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटी है। देश का सबसे बड़ा सूबा और मेजर ध्यानचंद की धरती उत्तर प्रदेश ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नई खेल नीति तैयार की है। साथ ही खेलों के इन्ख विकास की गति भी तेज कर दी गई है। आज प्रदेश में तीन ऐसे स्टेडियम मैजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी कर रहे हैं। प्रदेश के मध्य में कानपुर के ग्रीन पार्क और लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में लगातार अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन हो रहा है। साथ ही इन तीनों स्टेडियम में युवाओं को निखारने का भी काम किया जा रहा है। अब योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली सरकार में काशी में एक नया स्टेडियम का निर्माण पूर्वी उत्तर प्रदेश में क्रिकेटर बनने का सपना संजो रहे लोगों के लिए बेहतरीन सौगात है।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल के साथ अन्य लीगों में प्रदेश के कई खिलाड़ी बेहतर कर रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई और राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को निखारने में इन खिलाड़ियों की मदद ले सकती है। इससे काशी का स्टेडियम कई राज्यों के प्रतिभावान युवा क्रिकेटरों को निखारने का हब बनकर उभरेगा। साथ ही मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की आबादी के अनुरूप प्रदेश को खेलों में भी सिरमौर बनाने के मंशा भी पूरी होगी। देवाधिदेव महादेव की काशी की अपनी अहमियत है। काशी को तीनों लोकों में न्यारी कहा जाता है। ऐसे में देश-दुनिया का हर खिलाड़ी काशी में खेलने को लेकर रोमांचित होगा। नया स्टेड़ियम मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का बेहतरीन केंद्र बनेगा। एक बार जब यहां रणजी, आईपीएल, टी-20 और टेस्ट मैच शुरू हो जाएंगे तो यह स्टेडियम हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म एवं इससे जुड़े सेक्टर के लिए भी बूस्टर साबित होगा।

जियो प्लेटफार्म का मुनाफा 12.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । रिलायंस समूह की डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का अप्रैल-जून तिमाही में ग्राहक आधार बढ़ने और बेहतर औसत राजस्व मिलने से मुनाफा सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़कर 5,098 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स का मुनाफा 4,530 करोड़ रुपए रहा था। जियो प्लेटफॉर्म्स में रिलायंस की दूरसंचार इकाई जियो इन्फोकॉम कुछ स्टार्टअप और संगीत एवं वीडियो स्ट्रीमिंग ऐप शामिल हैं। हाल ही में घोषित तिमाही नतीजों के मुताबिक अप्रैल-जून की अवधि में इसकी परिचालन आय 11.3 प्रतिशत बढ़कर 26,115 करोड़ रुपए हो गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में यह 23,467 करोड़ रुपए थी। इस तिमाही में 90 लाख ग्राहक जुड़े और कुल डेटा ट्रैफिक 28 प्रतिशत बढ़कर 33.2 अरब गीगाबाइट हो गया। प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) भी जून तिमाही में 2.8 प्रतिशत बढ़कर 180.5 रुपए हो गया। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो अपने ट्रू5जी नेटवर्क के विस्तार में तीव्र प्रगति कर रहा है। जियो इस साल दिसंबर के पहले ही देश भर में 5जी नेटवर्क खड़ा करने की राह पर अग्रसर है।

गैलेक्सी वॉच सीरीज में सैमसंग वॉलेट, थर्मो चेक और व्हाट्सएप जैसी सुविधा

सैन फ्रांसिस्को । सैमसंग गैलेक्सी वॉच सीरीज में अब उपभोक्ता सैमसंग वॉलेट, थर्मो चेक और व्हाट्सएप जैसी सुविधाओं को लाभ उठा सकते हैं। गुरुवार को कंपनी ने इसकी घोषणा की। तकनीकी दिग्गज ने कहा कि गैलेक्सी वॉच में नई एप सीरीज उपयोगकर्ताओं को एक बेहतर स्मार्टवॉच का अनुभव कराएगी। सैमसंग वॉलेट, थर्मो चेक और व्हाट्सएप के साथ उपयोगकर्ता पहले से कहीं अधिक काम कर सकते हैं। पिछले साल सैमसंग वॉलेट ने सैमसंग पे को सैमसंग पास के साथ जोड़ दिया था। अब सैमसंग वॉलेट आगामी गैलेक्सी वॉच सीरीज में आएगा। ऑल-इन-वन सैमसंग वॉलेट एप के साथ उपयोगकर्ता अब आसानी से भुगतान कर सकते हैं, आईडी प्रदान कर सकते हैं और सीधे अपनी स्मार्टवॉच से शो टिकट बुक कर सकते हैं। कंपनी ने कहा, नए स्किन टेम्परेचर एपीआई के लिए धन्यवाद, जो सैमसंग के प्रिविलेज्ड हेल्थ सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट किट (एसडीके) का एक हिस्सा है। पार्टनर अब गैलेक्सी वॉच की उन्नत इंफ्रारेड तकनीक का पूरा लाभ उठा सकते हैं। न्यू थर्मो चेक एप उपयोगकर्ताओं को अपने आसपास के तापमान को आसानी से मापने की सुविधा देती है। यह एप पहले आगामी गैलेक्सी वॉच डिवाइस पर उपलब्ध होगा और बाद में वॉच5 सीरीज में दिया जाएगा। ओएस इकोसिस्टम के एक नए विस्तार में गैलेक्सी वॉच5 और गैलेक्सी वॉच4 उपयोगकर्ता अब व्हाट्सएप एप का उपयोग कर सकते हैं। व्हाट्सएप एप उपयोगकर्ताओं को अपना फोन निकाले बिना बातचीत करने, संदेशों को भेजने और कॉल का जवाब देने की सुविधा भी देता है। टेक दिग्गज ने कहा कि इन नए फीचर्स के आने से सैमसंग गैलेक्सी वॉच सीरीज में अनेक सुविधाएं होगी। उम्मीद है कि सैमसंग, 26 जुलाई को होने वाले अगले अनपैक्ड इवेंट में अपनी आगामी गैलेक्सी वॉच सीरीज वॉच6 को लांच करेगा।

जल्दी ही बाजार में आने वाला है ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ

मुंबई ।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ जल्दी ही बाजार में आने वाला है। हालों कि इसको लेकर कई दिनों से चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के फाउंडर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर भाविश अग्रवाल ने आईपीओ को लेकर स्थिति साफ कर दी है। उनका कहना है कि कंपनी का आईपीओ 4 से 6 साल में नहीं बल्कि जल्दे दी ही आएगा। अग्राल ने कहा कि कंपनी की अच्छी ग्रोथ और विकास देखा गया है और इसके चलते वो ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ समय से पहले लाने के लिए तैयार हो रहे हैं। अब कंपनी के आईपीओ में पैसा लगाने के लिए निवेशकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। गौरतलब है कि पहले भाविश अग्रवाल ने कहा था कि पब्लिक इश्‍यू लाने में सक्षम होने को कंपनी को 4 से 6 साल का समय लगेगा। लेकिन अब कंपनी की शानदार ग्रोथ से अग्रवाल उत्साहित हैं। सोसायटी ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के मुताबिक जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कंपनी ईवी स्कूटर मार्केट का 38 फीसदी से ज्यादा मार्केट शेयर हासिल कर चुकी है। इसने दिसंबर 2021 से अब तक करीब 239,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेच डाले हैं। सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने मेरे सोचे गए समय से पहले ही अच्छी ग्रोथ और विकास हासिल किया है और इसके चलते ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ समय से पहले लाने के लिए तैयार हो रहे हैं। बाजार का रिस्पॉन्स ओला इलेक्ट्रिक के लिए काफी अच्छा है। इसे कंपनी का आईपीओ लाने के लिए मुख्य कारण माना जा सकता है। बता दें कि कंपनी की योजना साल 2023 के आखिर तक एक इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने की है। साथ ही कंपनी साल 2024 में बैटरी पावर्ड कार को बाजार में उतारने की भी तैयारी कर रही है।

ओला इलेक्ट्रिक को सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प और टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट जैसी बड़ी फर्म्स से फंडिंग हासिल हुई है।

अगले सप्ताह एंड्रॉइड डिवाइस पर लांच होगा चैटजीपीटीः ओपनएआई

नई दिल्ली ।

सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपनएआई ने शनिवार को घोषणा की कि वह आखिरकार अगले सप्ताह एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए चैटजीपीटी नामक अपना लोकप्रिय एआई चैटबॉट लॉन्च करेगा। मुफ्त आईओएस ऐप द्वारा आईफोन्स में चैटबॉट लाने के कुछ महीनों बाद एंड्रॉइड ऐप के लिए चैटजीपीटी लॉन्च किया जा रहा है। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा कि एंड्रॉइड के लिए चैटजीपीटी की घोषणा! ऐप अगले सप्ताह उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगा, और आप आज से गूगल प्ले स्टोर पर प्री-ऑर्डर कर सकते हैं। एंड्रॉइड पर चैटजीपीटी ऐप कमोबेश आईओएस ऐप के समान है। उपयोगकर्ता सभी डिवाइसों में बातचीत और प्राथमिकताओं को भी सिंक कर सकते हैं। एंड्रॉइड रोलआउट पहले अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के लिए और फिर अन्य देशों में आने की संभावना है, लेकिन कंपनी ने अभी तक योजनाओं का खुलासा नहीं किया है। कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर पर प्री-रजिस्टर दबाकर ऐप के लाइव होने पर सूचित होने के लिए साइन अप कर सकता है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आया बड़ा उछाल

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 12.74 अरब डॉलर बढ़कर 609.02 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 11.19 अरब डॉलर बढ़कर 540.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.14 अरब डॉलर बढ़कर 45.19 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 25 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.48 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 15.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.17 अरब डॉलर हो गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह बाजार में एक फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह विदेशीनिवेशकों की खरीदारी से घरेलू शेयर बाजार को सपोर्ट मिला, जिसकी वजह से बाजार में एक फीसदी की तेजी देखी गई। हालों कि इसके पहले सप्ताह में तेजी के साथ बंद हुए बाजार इस सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह शेयर बाजार में पांच कारोबार दिनों में से चार दिन तेजी रही और केवल एक दिन गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में रिकॉर्ड बढ़त बरकारार है। सोमवार को सेंसेक्स लगभग सौ अंकों की मजबूती पर खुला। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में हरे निशान पर कारोबार करता दिखा। हालांकि बाजार में ऊपरी स्तरों पर बिकवाली दिखी। सेंसेक्स 5.81 फिसलकर 66,055.09 पर खुला और 529 अंकों की तेजी रही है और यह 66590 के लेवल पर बंद हुआ है। जबकि निफ्टी 14.20 अंकों की मजबूती के साथ 19,578.70 पर खुला और 147 अंक बढ़कर 19711 के पर बंद हुआ है। मंगलवार को खुलते ही जबरदस्त तेजी देखी गई है। सेंसेक्स 300 अंकों की बढ़त के साथ 60 अंकों की बढ़त के साथ 19,750 के पार खुला और 205.21 अंकों की बढ़त के साथ 66,795.14 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 60 अंकों की बढ़त के साथ 19,750 के पार खुला और 37.80 अंकों की बढ़त के साथ 19,749.25 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को भी बाजार हरे निशान पर खुलकर नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 226.13 अंकों की बढ़त के साथ 67,021.27 पर खुला और 300 अंक उछलकर 67097 के उच्चतम स्तर पर हुआ बंद हुआ। निफ्टी 57.15 अंक उछलकर 19,806.40 पर खुला और 83.90 अंकों की बढ़त के साथ 19,833.15 अंकों के पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 40.68 अंक फिसलकर 67,056.76 पर खुला और 474.46 अंकों की बढ़त के साथ 67,571.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 14.90 टूटकर 19,818.25 पर खुला और 146.00 अंक चढ़कर 19,979.15 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 638.52 (0.94%) अंकों की गिरावट के साथ 66,933.38 अंकों के लेवल पर पहुंच गया और 887.64 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 66,684.26 अंक पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी में बड़ी गिरावट दिखी और यह 143.40 अंक टूटकर 19850 पर खुला और 887.64 अंकों की गिरावट के साथ 66,684.26 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.40 अंक टूटकर 19850 पर खुला और 234.15 अंक फिसलकर 19,745 पर बंद हुआ।

जुलाई- अगस्त में 6 फीसदी से अधिक रह सकती है मुद्रास्फीतिः नोमुरा

मुंबई ।

जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने कहा कि जुलाई और अगस्त के महीनों में सब्जियों की कीमतों के आसमान छूने से खुदरा मुद्रास्फीति के एक बार फिर छह प्रतिशत के ऊपर पहुंच जाने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो यह रिजर्व बैंक के मुद्रास्फीति के संतोषजनक स्तर से अधिक होगा। सरकार ने रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत तक सीमित रखने का दायित्व सौंपा हुआ है। नोमुरा ने अपनी टिप्पणी में कहा कि सब्जियों के दाम चढ़ने से सजग हुई सरकार खाद्य उत्पादों की आपूर्ति सुधारने के लिए कई कदम उठा सकती है। एक दिन पहले ही सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगाई है। नोमुरा ने कहा कि जुलाई और अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति के छह प्रतिशत से अधिक रहने के आसार हैं। इसके पीछे सब्जियों के दाम में आई तेजी की अहम भूमिका होगी। हालांकि हमें उम्मीद है कि सरकार आपूर्ति को सुधारने के लिए कदम उठाएगी। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि इस साल के आखिर में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए मुद्रास्फीति को काबू में रखना सरकार के लिए एक राजनीतिक प्राथमिकता भी होगी। जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 4.81 प्रतिशत हो गई जबकि मई में यह 4.31 प्रतिशत रही थी। इसके लिए खाद्य उत्पादों की कीमतों में आई तेजी को जिम्मेदार बताया गया था। रिजर्व बैंक ने पिछले साल खुदरा मुद्रास्फीति के उच्च स्तर पर पहुंच जाने के बाद नीतिगत रेपो दर में वृद्धि कर मांग पर काबू पाने की रणनीति अपनाई। लगातार कई बार रेपो दर में वृद्धि की गई और यह चार प्रतिशत से बढ़कर 6.50 प्रतिशत पर पहुंच गई। हालांकि पिछली दो द्विमासिक समीक्षा बैठकों में रेपो दर को स्थिर रखा गया है।

एनएसई ने निवेशकों को रिटर्न योजना के प्रति किया आगाह

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने निवेशकों को दो व्यक्तियों की तरफ से प्रस्तावित किसी भी सुनिश्चित लाभ (रिटर्न) योजना में अपना पैसा लगाने के प्रति आगाह किया। एनएसई ने दो अलग-अलग बयानों में कहा कि वे शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित लाभ देने और कारोबार के लिए प्रतिभूति बाजार संबंधी सलाह प्रदान कर रहे थे और निवेशकों को उनके ट्रेडिंग खातों को संभालने की पेशकश भी कर रहे थे। बयानों के अनुसार ये व्यक्ति एक्सचेंज के पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। एनएसई ने निवेशकों को सावधान करते हुए उनसे शेयर बाजार में गारंटीशुदा रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था की तरफ से पेश की गई ऐसी किसी भी योजना या उत्पाद की सदस्यता नहीं लेने को कहा। यह कानून के तहत प्रतिबंधित है। एक्सचेंज ने निवेशकों को पंजीकृत सदस्य और अधिकृत व्यक्तियों के विवरण की जांच करने के लिए अपनी वेबसाइट पर अपने स्टॉक ब्रोकर को जानें, पता लगाएं की सुविधा भी प्रदान की है।

अब श्रीलंका में बढ़ेगा भारतीय रुपए का प्रचलन

- सरकार ने भारतीय रुपए को दिया प्रमाणित करेंसी का दर्जा

नई दिल्ली ।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 2 दिवसीय यात्रा पर भारत में हैं। उनकी इस यात्रा में दोनों देशों को वित्तीय आर्थिक संपर्कों को बढ़ाने, नई परियोजनाओं और निवेश को लेकर नए रास्ते तलाशने का अवसर मिलेगा। श्रीलंका ने भारतीय मुद्रा रुपए को घोषित विदेशी मुद्रा के रूप में अपनी प्रणाली में अधिसूचित किया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति पद का दायित्व संभालने के बाद रानिल विक्रमसिंघे की यह पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट करेंगे और आपसी हितों से जुड़े विविध विषयों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ चर्चा करेंगे। उसने कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण में श्रीलंका एक महत्वपूर्ण साझेदार है। यह यात्रा दोनों देशों की दीर्घकालिक मित्रता की पुष्टि करेगी और सम्पर्क बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी लाभ आधारित सहयोग को विस्तार देने के रास्ते तलाशने का अवसर प्रदान करेगी।

विक्रमसिंघे की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब श्रीलंका की कमजोर अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। विदेशी मुद्रा की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। उसे 1948 में ब्रिटिश हुकूमत से आजादी के बाद सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। श्रीलंका ने पिछले साल अप्रैल के मध्य में पहली बार कर्ज अदा न कर पाने की घोषणा की थी। इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने उसे 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर का राहत पैकेज दिया था। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने अपने हालिया बयान में कहा है कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। ये यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश इस साल राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह यात्रा लंबे समय से जारी द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाएगी और मजबूत करेगी।

इन्फोसिस के शेयर में 8 फीसदी से अधिक गिरावट

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इन्फोसिस के पहली तिमाही के नतीजे उम्मीदों के अनुरूप न रहने और चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान घटाने से कंपनी के शेयर शुक्रवार को भारी बिकवाली होने से आठ प्रतिशत से भी ज्यादा लुढ़क गए। बीएसई में इन्फोसिस का शेयर 8.18 प्रतिशत गिरकर 1,330.40 रुपए के भाव पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 9.47 प्रतिशत तक का गोता लगाते हुए 1,311.60 रुपए पर आ गया था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 7.73 प्रतिशत गिरकर 1,337.45 रुपए के भाव पर खिसक गया। शेयर बाजारों में भारी गिरावट होने से कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी 49,159.03 करोड़ रुपए घटकर 5,52,141.59 करोड़ रुपए रह गया। इंफोसिस ने एक दिन पहले जून तिमाही के लिए जारी नतीजों में कहा था कि उसने शुद्ध लाभ में उम्मीद से कम 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके साथ ही उसने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ग्राहकों के निर्णय लेने में देरी होने से चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को भी घटाकर एक से 3.5 प्रतिशत कर दिया था। इस वजह से इन्फोसिस के शेयरों में भारी बिकवाली होने से घरेलू शेयर बाजारों में छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला भी थम गया। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन 887.64 अंक यानी 1.31 प्रतिशत गिरकर 66,684.26 अंक पर आ गया जबकि एनएसई का सूचकांक निफ्टी 234.15 अंक यानी 1.17 प्रतिशत कमजोर होकर 19,745 अंक पर बंद हुआ।

टाटा मोटर्स अब यूके में करेगी कारोबार का विस्तार, इलेक्ट्रिक जगुआर लैंड रोवर उतारेगी बाजार में

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स अब यूके में अपने कारोबार का विस्तार करने जा रही है। मिली जानकारी के अनुसर कंपनी ने घोषणा की है कि वह जगुआर लैंड रोवर की इलेक्ट्रिक कारों की सप्लाई के लिए एक बैटरी फैक्ट्री यूके में बनाएगी। इस प्लान से जुड़े लोगों के अनुसार, टाटा ने वेस्ट इंग्लैंड के समरसेट में एक साइट चुनी है, जिसका स्वामित्व सलामांका ग्रुप के पास है, जो एक निवेश और सलाहकार व्यवसाय है, जिसकी जड़ें रियल एस्टेट में हैं। जानकारी के मुताबिक, ब्रिटिश ब्रांड की भारतीय मूल कंपनी इस सप्ताह जल्द ही अपने फैसले की रूपरेखा तैयार कर सकती है। टाटा मोटर्स ने पहले स्पेन में अपनी बैटरी साइट बनाने पर विचार किया था, लेकिन यूके के पक्ष में निर्णय आने से कंपनी के जेएलआर प्लांट का भविष्य भी सुरक्षित हो सकेगा। गौरतलब है कि सेल फैक्ट्री की कुल क्षमता 40 गीगावाट घंटे होगी, जो बैटरी के आकार के आधार पर प्रति वर्ष लगभग आधे मिलियन वाहनों की आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त होगी।

इस फैसले से सरकार और ऑटो उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण जीत बताई जा रही है, जो अमेरिका और यूरोपियन यूनियन में ग्रीन टेक्नोलॉजी प्रोत्साहनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। गौरतलब है कि मई में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इलेक्ट्रिक कार प्रोडक्शन की ग्लोबल रेस में शामिल होने के लिए टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन के साथ बातचीत की थी। वहीं, यूरोपियन कार मैन्युफैक्चरर यूके और ईयू के बीच भेजे जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर आगामी टैरिफ को लेकर चिंता जताई है कि ब्रेक्सिट नियमों के लागू होने के बाद ब्रिटेन में कारों को असेंबल करना बहुत महंगा हो सकता है। इस बीच, टाटा मोटर्स ने बैटरी प्लांट सेटअप करने के लिए यूके से 500 मिलियन पाउंड की सहायता मांगी है। इसमें सोमरसेट प्लांट के हाई एनर्जी यूज के लिए सब्सिडी, सरकार के 1 बिलियन पाउंड ऑटोमोटिव ट्रांसफॉर्मेशन फंड से एकमुश्त ग्रांट और एम5 मोटरवे के पास साइट पर सड़क सुधार शामिल है।

ईपीएफओ से जुड़े सिर्फ 16.30 लाख कर्मचारी

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से इस साल मई में 16.30 लाख ग्राहक जुड़े। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि मई में 3,673 प्रतिष्ठानों ने अपने कर्मचारियों को ईपीएफओ के सामाजिक सुरक्षा दायरे में शामिल किया है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि डेटा के मुताबिक मई, 2023 के दौरान नामांकित करीब 8.83 लाख नए सदस्य पिछले छह महीनों के दौरान सबसे अधिक हैं। हालांकि ये संखे या अप्रैल महीने से कम है। अप्रैल के दौरान करीब 17.20 लाख नए मेंबर जुड़े थे। वहीं सरकार की ओर से जारी किए गए नए आंकड़ों के मुताबिक, मई 2022 के दौरान ईपीएफओ से लगभग 16.80 लाख नए कर्मचारी जुड़े थे यानी मई में इतने कर्मचारियों को नई नौकरी मिली है। नए अंशधारकों में से 56.42 प्रतिशत हिस्सेदारी 18-25 वर्ष के उम्र समूह के कर्मचारियों की है। यह युवाओं के संगठित रोजगार में आई तेजी को दर्शाता है। हालांकि मई में करीब 11.41 लाख अंशधारक ईपीएफओ से हटे लेकिन वे दोबारा इससे जुड़ भी गए। इससे उनके एक नौकरी छोड़कर दूसरी नौकरी करने के संकेत मिलते हैं। पेरोल आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इस महीने पहली बार ईपीएफओ का हिस्से बनने वाले 8.83 लाख नए कर्मचारियों में से करीब 2.21 लाख संख्या महिलाओं की थी। मई में शुद्ध रूप से 3.15 लाख महिलाएं ईपीएफओ का हिस्सा बनीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और बांग्लादेश के बीच रोमाचंक मोड़ पर आकर तीसरा वनडे मैच टाई

–आउट होने के बाद गुस्से में आई हरमनप्रीत

मीरपुर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच हुआ तीसरा वनडे मैच टाई रहा। बांग्लादेश ने भारतीय महिला टीम को 226 रन का लक्ष्य दिया था, और मेजबान टीम ने भारत को 225 पर ही रोक कर मैंच टाई कर दिया। लेकिन मैच के दौरान एक ऐसा वाक्य देखने को मिला जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। दरअसल, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आउट होने के बाद स्टंप्स को तोड़ दिया जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

इसके पहले निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शमीमा सुल्ताना के अर्धशतक और फरगाना हक के पहले वनडे शतक की बदौलत बांग्लादेश टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 225/4 के अच्छे स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। वहीं भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले पांच ओवर के अंदर शैफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया के विकेट गंवा दिए। इसके बाद उप-कप्तान स्मृति मंधाना और हरलीन देयोल पर पूरी टीम को लक्ष्य के करीब लेने की जिम्मेदारी थी। बाएं हाथ-दाएं हाथ के संयोजन ने भारत के लिए अद्भुत काम किया क्योंकि दोनों ने 107 रनों की मजबूत साझेदारी की। जब मंधाना 59 रन पर आउट हुईं, तब भी भारत को जीत के लिए 87 रनों की जरूरत थी।

इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर नंबर 5 बल्लेबाजी करने उतरी। अनुभवी बल्लेबाज को जमने में समय लगा। वह 14 रन पर पहुंची और ऐसा लग रहा था कि वह अपनी टीम को सीरीज में जीत दिला देगी। हालांकि वह 34वें ओवर में नाहिदा अख्तर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गईं। वह इस कॉल से नाराज थी। हरमनप्रीत ने अपने बल्ले से स्टंप्स को तोड़कर अंपायर को यह इशारा भी करती दिखीं कि गेंद पैड पर लगने से पहले उनके बल्ले पर लगी थी।

दिलचस्प बात यह है कि अगर गेंद बल्ले पर लगती, तब कौर को कैच आउट भी दिया जा सकता था। दूसरी ओर अगर गेंद उसकी बांह पर लगती, तब भी उसे एलबीडब्ल्यू आउट दिया जा सकता था। बांग्लादेशी प्रशंसक खुशी से झूम उठे और जब हरमनप्रीत कौर मैदान से बाहर जा रही थीं, तब उन्हें व्यंग्यात्मक ढंग से थम्स-अप दिखाते हुए देखा गया।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर किसी तरह का जोखिम नहीं उठाया जबकि फरगाना ने शानदार पारी खेली। फरगाना ने 160 गेंदों पर 107 रन बनाए जिसमें सात चौके शामिल हैं। वह पारी की अंतिम गेंद पर आउट हुई। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान शमीमा सुलताना (52) के साथ पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। यह बांग्लादेश महिला टीम का वनडे में दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। उसने 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट पर 234 रन बनाए थे।

भारत की ओर से स्नेह राणा ने 45 रन देकर दो तथा देविका वैद्य ने 42 रन देकर एक विकेट लिया। फरगाना और शमीमा ने बांग्लादेश को बहुत अच्छी शुरुआत दिलाई तथा भारतीय गेंदबाजों को 27वें ओवर तक सफलता से वंचित रखा। शमीमा के आउट होने से यह साझेदारी टूटी। उन्हें राणा ने आउट किया। शमीमा ने अपनी 78 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए। फरगाना ने इसके बाद कप्तान निगार सुलताना (24) के साथ मिलकर पारी आगे बढ़ाई। भारतीय गेंदबाजों को सफलता नहीं मिली भले उन्होंने बहुत अधिक रन नहीं लुटाए।

भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में 47 रन की पारी खेलने वाली फरगाना ने एक छोर संभाले रखा जिससे अन्य बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का भी मौका मिला। बांग्लादेश को जब तेजी से रन बनाने की जरूरत थी तब राणा ने 41वें ओवर में निगार सुल्ताना को आउट करके भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके एक ओवर बाद देविका ने ऋतु मोनी (02) को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराया। फरगाना ने 46वें ओवर में मेघना सिंह पर दो चौके लगाए। उन्होंने 48वें ओवर में अपना शतक पूरा किया। बांग्लादेश ने आखिरी 10 ओवरों में 62 रन बनाए और इस बीच तीन विकेट गंवाए।

कोरिया ओपन: सात्विक और चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची

येओसु (कोरिया) (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने शनिवार को यहां लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत के साथ कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने जिन्नम स्टेडियम में 40 मिनट तक चले मुकाबले में चीन की जोड़ी पर 21-15, 24-22 से जीत दर्ज की। केंग और चांग की जोड़ी के खिलाफ लगातार दो हार के बाद सात्विक और चिराग की यह पहली जीत थी। सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब जीते हैं।

फाइनल में उनके सामने इंडोनेशिया के शीर्ष वरीय फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो या कोरिया के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे की चुनौती होगी। इस साल थाईलैंड और इंडिया ओपन जीतने वाली चीन की जोड़ी भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत हार के 2-0 के रिकॉर्ड के साथ मुकाबले में उतरी थी। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इस बार अपनी योजना को शानदार तरीके से अंजाम दिया।

जून में अपने पिछले टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन को जीतने वाली भारतीय जोड़ी के पास अब लगातार दो खिताब हासिल करने का मौका होगा। दोनों जोड़ियों ने खेल की आक्रामक शुरुआत की और 5-5 के स्कोर तक मुकाबला बराबरी का रहा। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बढ़त बनानी शुरू की और स्कोर 7-5 और फिर 14-8 हो गया। सात्विक ने अपना चिर-परिचित स्मैश लगाया लेकिन बैकलाइन के पास चिराग की गलती के कारण चीन की जोड़ी लगातार दो अंक हासिल करने में सफल रही।

चिराग और सात्विक ने मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए स्कोर को 19-12 किया और फिर आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों जोड़ियों के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला। शुरुआत में स्कोर 2-2 और 8-8 की बराबरी पर था। चीन के खिलाड़ियों ने इसके बाद कुछ वाइड शॉट खेले जिससे भारत की बढ़त 14-9 होगी। केंग और चांग की जोड़ी ने लगातार तीन अंक जुटाये। इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और मैच के आगे बढ़ने के साथ रोमांच बढ़ता गया। स्कोर के 18-18 और 19-19 की बराबरी पर था।

चिराग ने इसके बाद शानदार स्मैश लगाकर मैच प्वाइंट का मौका बनाया लेकिन सात्विक ने सर्विस में गड़बड़ी कर दी जिससे स्कोर 20-20 हो गया। सात्विक ने एक बार फिर भारत के लिए मैच प्वाइंट का मौका बनाया लेकिन चांग के शानदार पास से यह मौका भी निकल गया। चांग ने इसके बाद शटल को नेट पर खेलकर भारत को तीसरी बार मैच प्वाइंट का मौका दिया लेकिन केंग के शानदार प्रयास से स्कोर एक बार फिर 22-22 से बराबर हो गया। भारत ने इसके बाद चौथा मैच प्वाइंट हासिल किया और इस बार सात्विक ने कोई गलती नहीं की।

एशियाई खेलों में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं भूटान के तैराक

थिम्पू (भूटान) (एजेंसी)। प्रतिष्ठित एशियाई खेलों के आगमन के साथ भूटानी खेल समुदाय और अधिक समृद्ध हो रहा है। भूटान एक्वेटिक्स फेडरेशन के सांगे तेनज़िन और किनले लेंडुप दो अनुभवी तैराक हैं। भूटान लाइव के अनुसार ये उत्कृष्ट एथलीट सितंबर में चीन में होने वाले बहुप्रतीक्षित खेलों में अपने देश के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। सांगे तेनज़िन 100 और 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे और किनले लेंडुप 200 और 100 मीटर व्यक्तिगत मेडले प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दोनों तैराक सबसे पहले वैश्विक तैराकी चैंपियनशिप में भाग लेंगे, जो 23 से 28 जुलाई तक जापान में आयोजित की जाएगी। इससे गारंटी होगी कि वे एशियाई खेलों के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भूटान लाइव के अनुसार यह अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एशियाई खेलों में उनके प्रदर्शन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सांगे तेनज़िन और किनले लेंडुप जैसे एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण तैराकी भूटान में काफी लोकप्रिय हो गई है। यह तथ्य कि उन्हें प्रसिद्ध एशियाई खेलों में भूटान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया, तैराकी में भूटानी बच्चों की बढ़ती प्रतिबद्धता और उत्साह का प्रमाण है।

डब्ल्यूएफआई के चुनाव से बृजभूषण आउट, खेल संहिता के अनुसार अयोग्य घोषित

–भारतीय कुश्ती महासंघ के बहुप्रतीक्षित चुनाव 12 अगस्त को कराए जाएंगे, बेटे को उतारने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के बहुप्रतीक्षित चुनाव 12 अगस्त को होने जा रहे हैं। इसमें बृजभूषण ?सिंह को अयोग्य घोषित किया जा चुका है। बदले में वह अपने बेटे करण को चुनाव में उतारने के मूड में हैं। हालांकि चुनाव आचार संहिता के मुताबिक महाराष्ट्र राज्य चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होगा क्योंकि निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति एमएम कुमार ने दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को भागीदारी के लिए अयोग्य करार दिया। तदर्थ समिति ने इससे पहले 6 जुलाई को चुनाव निर्धारित किए थे, लेकिन महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के संबंधित राज्य निकायों द्वारा सुनवाई के लिए संपर्क करने के बाद उसे 11 जुलाई को चुनाव पुनर्निर्धारित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम कुश्ती संघ (एडब्ल्यूए) की याचिका के बाद चुनावों पर रोक लगा दी थी जिसके कारण ये चुनाव 11 जुलाई को भी नहीं हो सका था। एडब्ल्यूए ने चुनाव प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व के अधिकार का आग्रह किया था। इस तरह से उच्चतम न्यायालय ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ओर से लगाई गई रोक हटाते हुए संबंधित चुनाव का मार्ग मंगलवार को प्रशस्त कर दिया था। निर्वाचक मंडल में अब 24 राज्य निकायों से मतदान के अधिकार वाले 48 सदस्य होंगे। पदों के लिए नामांकन एक अगस्त को दाखिल किए जाएंगे। नामांकन की जांच दो अगस्त को की जाएगी और उम्मीदवारों की अंतिम सूची सात अगस्त को प्रकाशित की जाएगी। अगर चुनाव की आवश्यकता हुई तो मतदान 12 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। डब्ल्यूएफआई चुनावों से जुड़े पांच विवादों में से चार डब्ल्यूएफआई की पिछली समिति के पक्ष में रहा। न्यायमूर्ति एमएम कुमार ने घोषणा की कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार और रामदास तडस के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र के दो प्रतिद्वंद्वी गुट निर्वाचक मंडल के गठन के लिए अपने किसी भी सदस्य को नामित करने के लिए अयोग्य हैं।

वेस्टइंडीज के विकेटकीपर जोशुआ की मां कोहली से मिलकर रो पड़ीं

ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा की मां विराट कोहली से मिलकर रो पड़ीं। जानकारी के अनुसार वह जैसे ही कोहली से मिली तो उसके बाद वह अपने आंसू नहीं रोक पाईं। गौरतलब है कि जोशुआ की मां कोहली की बहुत बड़ी फैन है और कोहली के लिए मैच देखने आई थी। बता दें कि त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन स्थित क्वींस पार्क ओवल मैदान में शुरुआती दिन के जोशुआ और कोहली के बीच स्टंप माइक चैट वायरल हुई थी जिसमें जोशुआ ने कोहली को बताया कि उनकी मां उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और वह उन्हें खेलते हुए देखने के लिए ही कार्यक्रम स्थल पर आई थीं। जोशुआ ने पहले दिन कहा था, मेरी मां ने मुझे फोन किया और बताया कि वह विराट कोहली के लिए मैच देखने आ रही हैं, मुझे यकीन नहीं हुआ। बता दें कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच भारत के लिए विराट कोहली की 500वीं अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है, जहां उन्होंने 121 रनों की अपनी पारी के दौरान ऐतिहासिक शतक बनाया जिससे भारत को पहली पारी में एक विशाल स्कोर बनाने में मदद मिली। वेस्टइंडीज स्टार की मां शुक्रवार को कोहली को विदेशी टेस्ट शतक के लंबे सूखे को खत्म करते देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थीं, क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान ने इस प्रारूप में अपने करियर का 29वां शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 76वां शतक लगाया था। 121 रनों की पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी 438 रनों पर समाप्त की, इससे पहले एक विकेट लेने के बाद दूसरे दिन की समाप्ति तक 352 रनों की बढ़त बनाए रखी। बाद में दूसरे दिन जोशुआ की मां टीम इंडिया की बस के पास कोहली से मिलीं और उन्हें गले लगाया और रोने लगीं।

एमर्जिंग एशिया कप: आज भारत-पाक के बीच होगा फाइनल

कोलंबो (एजेंसी)। अभी तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत ए टीम अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान ए के खिलाफ रविवार को एमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में खिताब जीतने उतरेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच मैचों में किसी को जीत का प्रबल दावेदार कहना मुश्किल होता है, लेकिन भारतीय टीम की फॉर्म को देखकर उस मैच में जीत का दावेदार माना जा रहा है।

भारतीय टीम मैच में इसकारण भी बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी, क्योंकि उसने लीग चरण में पाकिस्तान को हराया था। भारतीय खिलाड़ियों को हालांकि अति आत्मविश्वास से बचना होगा जिसके कारण बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में एक वक्त टीम मुश्किल में दिख रही थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारतीय टीम 211 रन पर आउट हो गई थी।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई तथा 18वें ओवर तक उसका स्कोर एक विकेट पर 94 रन था। इसके बाद भारतीय स्पिनरों निशांत सिंधू और मानव सुतार ने शानदार गेंदबाजी करके बांग्लादेश को 160 रन पर रोक दिया। भारत की जीत में कप्तान यश धुल की 66 रन की महत्वपूर्ण पारी और शानदार क्षेत्ररक्षण का अहम योगदान रहा।

भारत के अधिकतर खिलाड़ियों ने अभी तक योगदान दिया है और वह पाकिस्तान के खिलाफ अपने प्रदर्शन को जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। भारतीय टीम को हालांकि पाकिस्तान को किसी भी तरह से कम करके नहीं आंकना चाहिए क्योंकि उसकी टीम में कई खिलाड़ी है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मैच और पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने का अनुभव है। ऑल राउंडर मोहम्मद वसीम, कप्तान मोहम्मद हारिस, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान और तेज गेंदबाज अरशद इकबाल को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव है जबकि अमाद बट और ओमार युसूफ पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं।

मोनाको डायमंड लीग में छठे स्थान पर रहे प्रवीण चित्रावेल

मोनाको - त्रिकूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण चित्रावेल मोनाको डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में आशानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए और छठे स्थान पर रहे। चित्रावेल ने शुक्रवार को अपने पांचवें प्रयास में 16.59 मीटर की कूद लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। चित्रावेल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर का है। असल में यह उनका सत्र का सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले इस सत्र में उन्होंने तीन प्रतियोगिताओं में 17 मीटर से अधिक की कूद लगाई थी। बुर्किना फासो के ह्यूजेस फैब्रिस ज़ैंगो ने 17.70 मीटर की कूद के साथ प्रतियोगिता जीती, जबकि विश्व अंडर-20 चैंपियन जमैका के जेडन हिबर्ट (17.66 मीटर) और अल्जीरिया के यासर मोहम्मद त्रिकी (17.32 मीटर) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

एशेज श्रृंखला: आस्ट्रेलियाई के चार विकेट पर 113 रन, इंग्लैंड से 162 रन पीछे

मैनचेस्टर (एजेंसी)। (ईएमएस)। विकेट कीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (नाबाद 99 रन) अपने जोड़ीदार के रन आउट होने के कारण शतक से महज एक रन से चूक गए, जिससे इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी 592 रन पर समाप्त कर आस्ट्रेलिया के खिलाफ 275 रन की बढ़त हासिल की। जवाब में खेलने उतरी आस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। वह अभी भी इंग्लैंड से 162 रन पीछे है। इसके पहले आस्ट्रेलिया की पहली पारी 317 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (18 रन) तेज गेंदबाज मार्क वुड की गेंद पर बल्ला छुआकर बेयरस्टो को मैच का चौथा कैच दे बैठे। डेविड वॉर्नर 17 और मार्नस लाबुशेन चार रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड ने सुबह चार विकेट पर 384 रन से आगे खेलना शुरु किया तब उसकी बढ़त 67 रन की थी।

टीम ने पारी के अंत तक दबदबा बनाए रखा जिसमें बेयरस्टो और जेम्स एंडरसन ने 10वें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी निभाई। इसमें से एंडरसन ने केवल पांच रन बनाए और कैमरन ग्रीन (64 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। इससे बेयरस्टो 99 रन (10 चौके और चार छक्के) पर नाबाद रहे जिसके लिए उन्होंने 81 गेंद खेली। इंग्लैंड ने लंच तक आठ विकेट पर 506 रन बनाकर 189 रन की बढ़त बना ली थी। इंग्लैंड को एशेज श्रृंखला को जीवंत रखने के लिए इस टेस्ट में जीत दर्ज करना जरूरी है। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (129 रन देकर एक विकेट) ने शुक्रवार को पहला विकेट अपने समकक्ष बेन स्टोक्स (51 रन) के रूप में लिया जिससे इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट पर 437 रन हो गया, तब टीम की बढ़त 120 रन की हो गई थी। लार्ड्स और हेडिंग्ले में क्रमश- 155 रन और 80 रन की पारी खेलने वाले स्टोक्स की एक और महत्वपूर्ण पारी बल्ले का अंदरूनी किनारा लगाने से समाप्त हुई।

मिशेल स्टार्क (137 रन देकर दो विकेट) अजीब तरह से कंधे के बल गिरने से बाद गुरुवार को मैदान छोड़कर चले गये थे। उन्होंने शुक्रवार को 91वें ओवर में नयी गेंद ली। इसके बाद तुरंत ही रन गति धीमी हो गई क्योंकि स्टार्क के इस ओवर में केवल एक ही रन बना। अगले ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद पर इंग्लैंड के खिलाड़ी दो रन ही बना सके जिसमें उभरते हुए स्टार हैरी ब्रुक का विकेट भी शामिल रहा जिन्होंने 61 रन बनाए। स्टार्क ने बाउंड्री पर उनका विकेट लपका। इस समय इंग्लैंड की बढ़त 157 रन की हो गयी थी। स्टार्क ने फिर 93वें ओवर में 12 रन दिए और अगले ही ओवर में क्रिस वोक्स को हेजलवुड ने शून्य पर पवेलियन भेज दिया।

विंबलडन चैंपियन अल्करेज की होपमैन कप में संघर्षपूर्ण जीत

नीस - विंबलडन चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे कार्लोस अल्करेज को होपमैन कप टेनिस टूर्नामेंट में बेल्जियम के डेविड गॉफिन पर जीत दर्ज करने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। स्पेन के विश्व में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी ने यह मैच 4-6, 6-4, 10-8 से जीता। उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों ने इस मैच में दो दो बार अपनी सर्विस गंवाई। अल्करेज ने पिछले रविवार को 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मैच में पराजित करके पहली बार विंबलडन का खिताब जीता था।

कोहली युवाओं के लिए आदर्श खिलाड़ी, वह सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक है : पाकिस्तानी क्रिकेटर

स्पोर्ट्स डैस्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाज सलमान बट ने भारतीय स्टार विराट कोहली की सराहना की और कहा कि वह उन युवाओं के लिए एक आदर्श हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में अपना नाम बनाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 34 वर्षीय खिलाड़ी इस समय यकीनन दुनिया का सबसे फिट क्रिकेटर है और इस प्रकार वह अपने करियर को लंबा करने की योजना बना सकता है।

गौरतलब है कि कोहली फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पहले मैच में, कोहली शतक बनाने से चूक गए, लेकिन दूसरे में वह टिकने में कामयाब रहे और आखिरकार चार साल से अधिक समय के बाद घर से बाहर टेस्ट शतक लगाने में कामयाब रहे। इस बीच, बट ने दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता की सराहना की और उन्हें हर आगामी क्रिकेटर के लिए एक शानदार उदाहरण बताया।

बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, ÷विराट कोहली की फिटनेस को देखते हुए वह खेलना जारी रख सकते हैं। वह रन बना रहा है और वह न केवल फिट है बल्कि दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक है। वह सबसे फिट क्रिकेटर हो सकते हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने आप में एक संस्था हैं। उनका करियर युवाओं के लिए एक रोडमैप है। वह एक शानदार उदाहरण हैं।'

ऐसा लगता है जैसे भारत एक छोटी सी टीम के खिलाफ खेल रहा है

पहले मैच में शानदार जीत के बाद भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट में एक बार फिर बल्ले से अपना दबदबा कायम कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जयसवाल ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दी, बाद में कोहली और जडेजा ने मामला अपने हाथ में लिया और टीम को पहली पारी में 438 रन बनाने में मदद की।

टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए बट ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे भारत एक छोटी टीम के खिलाफ खेल रहा है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मेजबान टीम केवल तभी कुछ प्रतिस्पर्धा दे सकती है जब वे अपनी पहली पारी में लगभग 350-375 रन बनाने में सफल होते हैं। बट ने कहा, ÷अब तक यह केवल एकतरफा प्रभुत्व रहा है। ऐसा लग रहा है मानो भारत किसी छोटी सी टीम के खिलाफ खेल रहा हो। अगर वेस्टइंडीज किसी तरह 350 या 375 रन तक पहुंचने में कामयाब हो जाता है, तभी हमें किसी तरह का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, भारत एक बेहतर गेंदबाजी पक्ष है। वेस्टइंडीज के पास प्रतिभा है, लेकिन बल्लेबाज कभी-कभी असाधारण शॉट खेलते हैं, जिससे उनका पतन होता है।'

विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप – अब आखिरी मैच पर सब कुछ निर्भर

शंघाई , चीन । विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप मैच का 11वां गेम ड्रॉ पर समाप्त होने के बाद दोनों खिलाड़ी मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और उनकी चैलेंजर लेई टिंगजी 5.5 – 5.5 से बराबरी पर हैं। अब सब कुछ मैच के अंतिम, 12वें गेम पर निर्भर है . एक जटिल और तनावपूर्ण खेल में लेई टिंगजी सफ़ेद मोहरो से अपना आखिरी मैच महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के खिलाफ दबाव तो बनाया पर जीत दर्ज नहीं कर सकी । इटेलिअन ओपनिंग में 48 चालों में वजीर और विपरीत रंग के ऊंट की स्थिति में बाजी बराबरी पर खत्म हुई ।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।
वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।
बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।
किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:
- खाली टॉयलेट पेपर रोल • खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस • प्लास्टिक कप्स • दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स • बबल रैप • पेपर बैग • किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.
इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.
कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.
रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिंनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या
इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

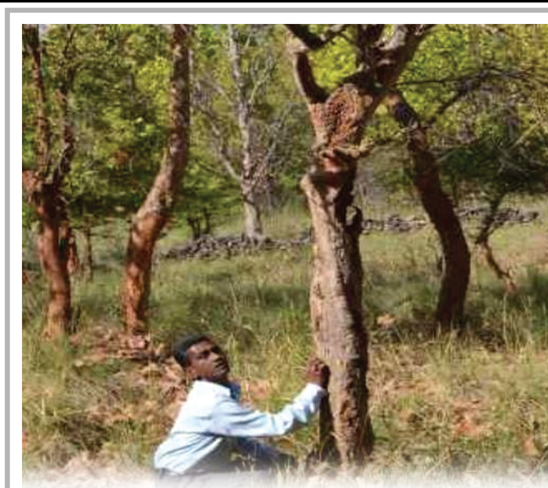

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधौं में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधौं की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।
जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।
इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।
मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुन: विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।
महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।
महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।
महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।
सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।
तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।
महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अत: इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।
ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।
उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।
राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।
महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।
कैसा समाधान मंत्री जी?
महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।
महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?
महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।
किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!
महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।
राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।
कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुन: विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।
महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।
महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।
जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।
जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।
तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

लिसा फ्रैंचेटी अमेरिकी इतिहास में पहली महिला शीर्ष नेवी अधिकारी बनी

वॉशिंगटन । अमेरिकी इतिहास में पहली बार एक महिला शीर्ष नेवी अधिकारी बनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पद के लिए एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को चुना है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंचेटी अमेरिकी नौसेना के इतिहास में यह पद संभालने वाली पहली महिला होंगी और इसके अलावा वह संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ में भी पहली महिला होंगी। फ्रैंचेटी को 1985 में कमीशन किया गया था। वह वर्तमान में नौसेना संचालन के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। फ्रैंचेटी की बायोग्राफी के अनुसार, वह अमेरिकी नौसेना बल कोरिया के कमांडर, डेवलपमेंट ऑफ वॉर के लिए नौसेना संचालन के उप प्रमुख और संयुक्त स्टाफ की रणनीति, प्लान और पॉलिसी के निदेशक के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की भी कमान संभाली है और सितंबर 2022 में वाइस सीएनओ बनीं। बाइडेन ने कहा, हमारे अगले नौसेना संचालन प्रमुख के रूप में, एडमिरल फ्रैंचेटी एक कमीशन अधिकारी के रूप में हमारे देश में 38 साल की समर्पित सेवा प्रदान करेंगी, जिसमें नौसेना संचालन के उप प्रमुख की उनकी वर्तमान भूमिका भी शामिल है। बाइडेन ने कहा कि वह यूएस फ्लीट फोर्सेज कमांड के डिप्टी कमांडर वाइस एडमिरल जेम्स किल्बी को अगले वाइस सीएनओ के रूप में नामित कर रहे हैं, और यूएस पैसिफिक फ्लीट के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो को इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर के रूप में प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने के लिए नामित कर रहे हैं। फ्रैंचेटी ने अपने पूरे करियर में परिचालन और नीति दोनों क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। वह अमेरिकी नौसेना में फोर-स्टार एडमिरल का पद हासिल करने वाली पहली महिला है। वह नौसेना संचालन प्रमुख और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला के रूप में फिर से इतिहास बनाएगी। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने नामांकन की सराहना कर कहा कि प्रत्येक एडमिरल यह सुनिश्चित करेगा कि हमारी अमेरिकी नौसेना और इंडो-पैसिफिक में संयुक्त बल अब तक की सबसे बेहतरीन सैन्य शक्ति बनी रहे।

जापान में 4.8 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो । जापान के टोक्यो के उत्तर-पूर्व में इबाराकी प्रान्त के कुछ हिस्सों में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक समाचार एजेंसी ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10ः52 बजे 50 किमी की गहराई पर आया। इसकी तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 4 मापी गई। इसका केंद्र इबाराकी से 36.5 डिग्री उत्तर अक्षांश और 140.8 डिग्री पूर्व देशांतर पर था। सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

नाटो की बोली को मंजूरी देने से पहले तुर्की करेगा स्वीडन की निगरानी : एर्दोगन

अंकारा । तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि उनका देश नाटो की बोली को मंजूरी देने से पहले स्वीडन के आतंकवाद विरोधी कदमों की निगरानी करेगा। सरकारी टीआरटी ब्रॉडकास्टर के अनुसार तुर्की वापस लौटते समय

एर्दोगन ने संवाददाताओं से कहा था कि हम स्वीडन के किये गए वादों पर नज़र रखेंगे और उसके द्वारा उठाए गए कदमों के अनुसार कार्रवाई करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि यह स्वीडन के हित में होगा अगर वह आतंकवादी संगठनों के खिलाफ लड़ाई और आतंकवादियों के प्रत्यर्पण में ठोस कदम उठाता है। नाटो में शामिल होने के लिए सभी सदस्य देशों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है। स्वीडन और फ़िनलैंड ने पिछले साल सैन्य गठबंधन में शामिल होने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें तुर्की की आपत्तियों का सामना करना पड़ा। तुर्की का कहना है कि दोनों देश प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी और गुलेन आंदोलन के सदस्यों को आश्रय देते हैं। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार अंकारा ने आखिरकार इस साल मार्च में फिनलैंड की नाटो बोली पर अपनी आपत्ति हटा ली। तुर्की सैन्य गठबंधन के शिखर सम्मेलन से ठीक पहले 10 जुलाई को स्वीडन को नाटो में शामिल करने पर सहमत हुआ। तुर्की संसद अक्टूबर में स्वीडन की नाटो सदस्यता पर मतदान करेगी।

टॉप एआई कंपनियों ने व्हाइट हाउस से किया वादा, बाइडेन ने दी जानकारी

वाशिंगटन । ओपन एआई, गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट और मेटा प्लेटफॉर्म्स सहित टॉप एआई कंपनियों ने टेक्नोलॉजी को सुरक्षित बनाने में मदद करने के लिए एआई-जनरेटेड कंटेंट को वॉटरमार्क करने जैसे उपायों को लागू करने के लिए व्हाइट हाउस से वॉलेंटरी कमिटमेंट जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसकी जानकारी दी। बाइडेन ने कहा, ये कमिटमेंट एक आशाजनक कदम हैं, लेकिन हमें साथ मिलकर बहुत कुछ करना है। बाइडेन ने डिसरप्टिव मकसद के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की संभावना के बारे में बढ़ती चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमें अमेरिकी लोकतंत्र के लिए उभरती टेक्नोलॉजी से खतरों के बारे में स्पष्ट और सतर्क रहना चाहिए। एंथ्रोपिक, इन्फ्लेक्शन, अमेजन और ओपनआई पार्टनर माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों ने सिस्टम को रिलीज करने से पहले उनका पूरी तरह से परीक्षण करने और रिस्क को कम करने और साइबर सिक्योरिटी में निवेश करने के बारे में जानकारी शेयर करने का वचन दिया। इस कदम को टेक्नोलॉजी को रेगुलेट करने के बाइडेन प्रशासन के प्रयास की जीत के रूप में देखा जाता है, जिसने निवेश और कंज्यूमर पॉपुलैरिटी में उछाल का अनुभव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हम टेक इंडस्ट्री को एक साथ लाने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए राष्ट्रपति के लीडरशिप का स्वागत करते हैं, जो एआई को अधिक सुरक्षित और जनता के लिए अधिक फायदेमंद बनाने में मदद करेगा। जनरेटिव एआई इस साल का बेहद लोकप्रिय हो गया। वहीं दुनिया भर के कानून निर्माताओं ने इस बात पर विचार करना शुरू कर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए उभरती टेक्नोलॉजी के खतरों को कैसे कम करे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेगुलेशन से निपटने में अमेरिका यूरोपीय यूनियन से पीछे है। जून में यूरोपीय यूनियन के कानून निर्माता ड्रॉफ्ट रूल्स के एक सेट पर सहमत हुए, जहां चैटजीपीटी जैसे सिस्टम को एआई-जनरेटेड कंटेंट का खुलासा करना होगा। तथाकथित फेक इमेज को वास्तविक से अलग करने में मदद करनी होगी और अवैध कंटेंट के खिलाफ सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना होगा।

नॉर्थ कोरिया ने दागीं कई क्रूज मिसाइलें

सियोल । नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को यलो सी में एक के बाद एक कई क्रूज मिसाइलें दागीं। साउथ कोरिया के चीफ ऑफ स्टाफ ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइलों का लॉन्च सुबह 4 बजे शुरू हुआ था। इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनाव और बढ़ गया है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से ये एक्शन तब लिया गया है जब अमेरिका ने बुधवार को अपनी परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया के पोर्ट पर तैनात की। वहीं, साउथ कोरिया ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया की हरकतों पर नजर रख रहे हैं। साउथ कोरिया ने ये भी कहा है कि नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हमला किया तो किम जोंग उन का शासन खत्म कर दिया जाएगा।

चीन की मदद करने वाला गिरफ्तार

ओटावा । कनाडा ने अपने एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। 60 वर्षीय रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर पर आरोप है कि वह अवैध तरीके से चीन की मदद कर रहा था। मामले की जांच 2021 में शुरू हुई थी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि गिरफ्तार पुलिस ऑफिसर का नाम विलियम मैजशर है और वह मूल रूप से हांगकांग का है। मैजशर पर आरोप लगे हैं कि उसने अपनी जानकारी और नेटवर्क का इस्तेमाल कर चीन को फायदा पहुंचाने वाली खुफिया जानकारी इकट्ठा की। पुलिस ने बताया है कि मैजशर के खिलाफ सूचना सुरक्षा कानून और विदेशी संगठन के लिए जासूसी और साजिश रचने के मामलों में केस दर्ज किया गया है। मैजशर की इन संदिग्ध गतिविधियों को लेकर 2021 में जांच बिठाई गई थी। आरोप है कि इस रिटायर्ड ऑफिसर ने कनाडा के कानून के दायरे से बाहर रहे लोगों की पहचान करने और उन्हें डराने और धमकियां देने में भी चीन सरकार की मदद की। इन आरोपों पर जब चीन के दूतावास से संपर्क किया गया तो वहां से कोई जवाब नहीं आया।

रूस के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो की एक स्थिर छवि इस छवि में, काला सागर में अभ्यास के दौरान निर्देशित मिसाइल जहाज इवानोवेट्स को रॉकेट दागते हुए दिखाया गया है।

डोनाल्ड ट्रम्प की बढ़ी मुश्किलें, गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई फिक्स

वॉशिंगटन। गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई फिक्स होने से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुसीबतें अब और बढ़ गई हैं। जानकारी के अनुसार वर्गीकृत दस्तावेज मामले में ट्रम्प का मुकदमा अगले साल 20 मई को शुरू होने वाला है। मामले की देखरेख संघीय न्यायाधीश कर रहा है। संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को इसकी तारीख मई में तय कर दी है। यह मामला पूर्व राष्ट्रपति पर दर्जनों गोपनीय दस्तावेजों को अवैध तरीके से अपने पास रखने के आरोप से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यायाधीश एलीन एम कैनन ने कहा कि यह मुकदमा मियामी के उत्तर में स्थित एक तटीय शहर फोर्ट पियर्स, फ्लोरिडा में उनके गृह न्यायालय में आयोजित किया जाना था। जानकारी के अनुसार न्यायाधीश कैनन ने इस वर्ष और अगले वर्ष की सुनवाई का एक कैलेंडर भी तैयार किया है, जिसमें मामले संबंधित सुनवाई भी शामिल है। हालांकि शेड्यूलिंग आदेश फोर्ट पियर्स के संघीय न्यायालय में एक विवादास्पद सुनवाई के बाद आया, जहां ट्रम्प के वकील मुकदमे की तारीख को लेकर झगड़ पड़े थे। उनका कहना था कि अधिकांश आपराधिक मामलों की तुलना में इस मामले में कार्यवाही का समय अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रम्प अब रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए सबसे आगे हैं और अदालत में रहने के उनके कानूनी दायित्व उनके अभियान कार्यक्रम के साथ जुड़ेंगे। ट्रम्प के मुकदमे के लिए कार्यक्रम निर्धारित करना जज कैनन के लिए मामले में पहला महत्वपूर्ण निर्णय था।

भारत-श्रीलंका का आर्थिक गठजोड़, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, व्यापारिक रूप से कितना होगा महत्वपूर्ण?

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ अपनी चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद दिलाया कि भारत 2021 में द्वीप राष्ट्र को तबाह करने वाले आर्थिक संकट के पहले प्रतिक्रियाकर्ताओं में से एक था, जबकि उन्होंने कहा कि कोलंबो को तीसरी शक्ति के साथ सहयोग करने से पहले भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हित को ध्यान में रखना चाहिए। समझा जाता है कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे इस बात पर सहमत हुए कि श्रीलंका भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशील होगा। जैसा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने एक घंटे से अधिक समय तक एक-पर-चर्चा करते हुए दोपहर का लंच किया। यह मानना मुश्किल नहीं है कि चीन को लेकर दोनों के बीच कोई चर्चा नहीं हुई होगी, क्योंकि बीजिंग बेल्ट रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत कोलंबो को द्वीप राष्ट्र के साथ संलग्न कर रहा है जो वर्तमान में चीनी ऋण के बोझ तले दबा है।

यह 2021 के आर्थिक संकट के दौरान था, जब चीन सहित दुनिया झिझक रही थी, भारत द्वीप राष्ट्र को गहरे राजनीतिक संकट से बाहर निकालने के लिए पूर्ण वित्तीय, खाद्य और तेल सहायता के साथ सामने आया। जबकि पीएम मोदी ने यह बताया कि भारत आर्थिक संकट के समय में श्रीलंका की मदद करने के अपने रास्ते पर कायम रहेगा, दोनों नेताओं ने भविष्य में डिजिटल, तेल, बिजली, सड़क और शायद रेल कनेक्टिविटी पर ध्यान देने के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ही थे जिन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच 27 किलोमीटर लंबे संभावित रामेश्वरम-तलाई मन्नार सरेखण पर एक भूमि पुल का सुझाव दिया था, जिसे पीएम मोदी ने तुरंत स्वीकार कर लिया था। पाक जलडमरूमध्य के इस विशेष क्षेत्र में समुद्र की गहराई भी अनुकूल है क्योंकि वहाँ केवल एक से तीन मीटर पानी है और इस क्षेत्र में एक पुल आसानी से बनाया जा सकता है। दोनों देशों ने समुद्री कनेक्टिविटी के हिस्से के रूप में आपसी समझ के साथ कोलंबो, त्रिंकोमाली और कांकेसंथुराई में बंदरगाहों और लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा हवाई कनेक्टिविटी, ऊर्जा और बिजली कनेक्टिविटी के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा पर भी समझौता हुआ। जबकि भूमि पुल का प्रस्ताव पहली बार रखा गया था, दोनों देशों को जोड़ने वाले पुल के साथ-साथ तेल, गैस, बिजली पाइपलाइन होने की भी प्रबल संभावना है। दोनों देशों के बीच एक रेलमार्ग पुल बनाने की भी संभावना है क्योंकि जिस तरह तलाई मन्नार श्रीलंका की तरफ है, उसी तरह रामेश्वरम भी रेलमार्ग से जुड़ा है।

कोलंबो और नई दिल्ली स्थित विशेषज्ञों के अनुसार, दोनों देशों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण को जमीन पर लागू करने के लिए सावधानी से खेलना होगा क्योंकि चीन की श्रीलंकाई राजनीति में गहरी पैठ है और बीजिंग भारत को द्वीप राष्ट्र के साथ अपनी पिछली स्थिति को फिर से हासिल करने की अनुमति नहीं देने की पूरी कोशिश करेगा।

भारत के चावल निर्यात बैन से अमेरिकी दुकानों में मची लूट

-अमेरिकी भारतीय कर रहे चावल की जमाखोरी

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। भारत सरकार की तरफ से चावल के निर्यात को बैन किया है। इस फैसले का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका में बसे भारतीयों पर दिखा। अमेरिकी एनआरआई प्रतिबंध की जानकारी से इतना घबरा गए कि उन्होंने चावल की जमाखोरी शुरू कर दी है। अमेरिका में शॉपिंग मॉल में चावल की लूट मच गई है। भारतीय कई-कई बोरी चावल खरीदकर घर ले जा रहे हैं।

भारत के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से कहा गया है कि भारत सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। विभाग का कहना है कि गैर-बासमती सफेद चावल की निर्यात नीति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि भारत इस चावल की खेप को कुछ शर्तों के तहत निर्यात करने की अनुमति देगा जैसे कि इस अधिसूचना से पहले जहाज पर इस चावल की लोडिंग शुरू हो गई है।

चावल निर्यात बंद करने के बाद अमेरिका में भारतीय चावल का स्टॉक करने के लिए दौड़ पड़े हैं। अमेरिकी दुकानों पर भारतीय सोना मसूरी चावल की कीमतों में कई गुना इजाफा हो गया है। कुछ दिनों पहले एक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि भारत सरकार चावल की अधिकांश किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है।

डीजीएफटी की अधिसूचना के बाद पूरी दुनिया के बाजारों में घबराहट की स्थिति है, लेकिन अमेरिका में हालात थोड़े ज्यादा मुश्किल नजर आ रहे हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय, प्रतिबंध खत्म होने तक चावल की बोरियों का स्टॉक करने के लिए भारतीय दुकानों पर पहुंच रहे। इसके बाद कई भारतीय दुकानों पर एक व्यक्ति एक बोरी वाला नियम लागू करना पड़ा। वहीं, कई दुकानों पर कीमतों में 32 डॉलर से 47 डॉलर तक का इजाफा हुआ है। जबकि पहले यह आंकड़ा 22 डॉलर तक ही था।

प्रतिबंध से भारत का करीब 80 फीसदी चावल निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारत में चावल की कीमतें कम हो सकती हैं लेकिन दुनियाभर में कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि भारत के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में कम बारिश की वजह से पिछले 10 दिनों में कीमतों में 20 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। भारत के फैसले की वजह से वियतनाम से आने वाला चावल भी महंगा हो गया है। इसकी वजह से चावल की कीमतें अमेरिका में इस हफ्ते एक दशक के बाद सबसे अधिक ज्यादा हो गई हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि अगर भारत निर्यात सीमित करेगा तब कीमतें और बढ़ेंगी।

किम राज हो जाएगा समाप्त, दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग को दिया करारा जवाब

- उत्तर कोरिया ने दी थी परमाणु हमले की धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सियोल (ईएमएस)। अपनी हरकतों से सुर्खियों में रहने वाले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से किसी भी परमाणु हमले का मतलब किम जोंग उन के नेतृत्व वाले शासन का अंत होगा। दक्षिण कोरिया सियोल की यह चेतावनी तब आई है जब प्योंगयांग ने कहा था कि यहां अमेरिकी परमाणु-सक्षम पनडुब्बी और अन्य रणनीतिक संपत्तियों की तैनाती उसके परमाणु हथियारों के उपयोग को उकसा रही है। एक न्यूज एजेंसी की की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री कांग सुन-नाम ने पिछले दिन एक तीखे बयान जारी कर दक्षिण कोरिया में 18,750 टन की ओहियो श्रेणी की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) यूएसएस केंटकी के आगमन और इस सप्ताह दक्षिण कोरिया-अमेरिका परमाणु सलाहकार समूह (एनसीजी) की उद्घाटन बैठक की आलोचना की थी। जिसके बाद सियोल के रक्षा मंत्रालय ने चेतावनी को फिर से जारी किया। योनहाप समाचार एजेंसी ने सियोल मंत्रालय के हवाले से कहा कि दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन के खिलाफ किसी भी उत्तर कोरियाई परमाणु हमले की स्थिति में, उसे गठबंधन से तत्काल, जबरदस्त और निर्णायक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा और हम फिर से दृढ़ता से चेतावनी देते हैं कि इसके माध्यम से उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा। इसमें यह भी कहा गया कि प्योंगयांग का परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल उकसावे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अवैध गतिविधियों' का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

पाकिस्तान ने यासीन मलिक की 11 साल की बेटी को बनाया हथियार

-फिर चली नई चाल, पीओके प्रांतीय सभा में दिलाई भावुक करने वाली स्पीच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी मानमानी करने के लिए 11 साल की बच्ची को हथियार बनाकर ऐसी चाल चल रहा है जो सफल होने वाली नहीं है। हालिया जानकारी में जम्मू कश्मीर के लिए पाकिस्तान किस हद तक नीचता पर उतर सकता है, इसका नजारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की प्रातींय सभा में देखने को मिला। यहां पर उसने भारत की जेल में बंद यासीन मलिक की 11 साल की बेटी का इस्तेमाल कर वही बातें कहीं जो वह हमेशा से कहता आया है। मगर कश्मीर के बुद्धिजीवियों और कश्मीर मामलों के जानकारों की मानें तो इसमें पाकिस्तान को कामयाबी नहीं मिल पाएगी। उनका मानना है कि पिछले तीन दशक से पाकिस्तान यही प्रपोगेंडा चला रहा है लेकिन हर बार की तरह इस बार भी वह मुंह के बल गिरेगा। गौरतलब है कि यासीन मलिक को अप्रैल 2019 में भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने आतंकवाद विरोधी कानूनों और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के तहत गिरफ्तार किया था। उसे साल 2022 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

पाकिस्तान की शह पर यासीन मलिक की 11 साल की बेटी रजिया सुल्तान ने पीओके एसेंबली में अपने पिता की स्थिति पर लिखा हुआ भाषण पढ़ा था। उसने बड़े ही भावुक अंदाज में भारत सरकार से उसके बीमार पिता से मिलने की अपील की। कश्मीर के पूर्व आतंकी से राजनेता बना 57 साल का यासीन मलिक इस समय भारत की तिहाड़ जेल में बंद हैं। रजिया ने मुजफ्फराबाद में संबोधित करते हुए कहा कि उसका पिता कश्मीर में लड़ाई की नई रोशनी बन चुका है। रजिया के शब्द थे, मेरे पिता कश्मीर के हित लिए नई रोशनी हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरे पिता को फर्जी मामले से रिहा कर दिया जाएगा और वह जल्द हमारे बीच होंगे। उसका भाषण टीवी पर टेलीकास्ट किया गया था। उसने कहा, जब मैं अपने पिता से मिली तो मैं केवल दो साल की था। मैं अब 11 साल की हो गयी हूं। मुझे अपने पिता की बहुत याद आती है। मैं उसकी आवाज सुनने के लिए तरस रही हूं।

इस पर लंदन स्थित नेशनल इक्वैलिटी पार्टी जम्मू कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान एंड लद्दाख (जेकेबीजीएल) के मुखिया प्रोफेसर सज्जाद रजा ने अपने ट्विटर हैंडल पर पाकिस्तान की नई असफल साजिश के बारे में विस्तार से लिखा है। सज्जाद रजा लंदन में रहते हैं। रजा ने लिखा, यासीन मलिक की शादी के पीछे यही योजना थी। कश्मीर में 35 लाख से ज्यादा महिलाएं हैं लेकिन मलिक को कोई साथी नहीं मिला और उन्होंने एक पाकिस्तानी महिला से शादी कर ली। उन्होंने आगे लिखा, यह महिला पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के साथ काम करती है। अब अगले 60-70 सालों तक कश्मीर बनेगा पाकिस्तान के प्रचार को जारी रखने के लिए पाकिस्तान के हाथ में कश्मीर की बेटी मिल गई है। लेकिन वह भी मकबूल बट के बच्चों की विफलता की तरह असफल होगी।

ऐलियन धरती पर आए तो इंसानों का कर देंगे खात्मा

-बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर के अध्ययन वर्किंग ग्रुप ने चेताया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। या?दि ए?लियन धरती पर आए तो इंसानों का खत्मा हो जाएगा। कुछ इसी तरह की चेतावनी बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर से संबद्ध एक स्वदेशी अध्ययन वर्किंग ग्रुप ने दी है। गौरतलब है ?कि दु?निया में ए?लियन को लेकर काफी कुछ ?रिसर्च की जा रही है। साल 2023 में कई बार ऐसे मौके आए हैं, जब एलियन का जिक्र किया गया हो। साल की शुरुआत में अमेरिका के आसमान में चार रहस्यमय चीजें, देखने को मिली थीं। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर एफ-16 विमानों ने मिसाइल से इन्हें मार गिराया। इसके बाद एक मौका आया जब नेवी के पायलट का यूएफओ कॉन्टैक्ट का लीक फुटेज दिखा। इसके बाद जून में एक स्वतंत्र विश्लेषण से पता चलता है कि अमेरिकी सरकार की एक गुप्त एजेंसी यूएफओ से जुड़ी जानकारी इकट्ठा कर रही है। ए?लियन और इंसानों का आमना सामना होने पर जो प्र?तिक्रिया होगी वह डरावनी होगी। पृथ्वी के बाहर कोई जीवन बैक्टीरिया के रूप में होगा तो वह भी एलियन ही कहलाएगा। लेकिन हम यहां उस अलौकिक जीवन की बात कर रहे हैं, जो इंसानों की ही तरह समझदार होंगे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर ऐसा होता है, तो मनुष्यों को ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेगा।

एलियन जीवन की खोज करने वाले बर्कले एसईटीआई रिसर्च सेंटर से संबद्ध एक स्वदेशी अध्ययन वर्किंग ग्रुप का कहना है कि एलियन से मिलना ठीक वैसे ही होगा, जैसे पहले कुछ इंसानी संस्कृतियां आपस में मिली हैं। उन्होंने कई सदियों पहले इसानी संस्कृति संपर्क का अध्ययन किया। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका और अमेरिका में दो संस्कृतियों के मिलन को देखा गया। जहां कई बार हिंसा हुई और महामारी फैली। अब सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर अगर एलियन मिल गए तो संपर्क कौन करेगा। ग्रुप का कहना है कि एलियन से सीधा कॉन्टैक्ट मिलिट्री, कॉर्पोरेट और वैज्ञानिक करेंगे। नासा अंतरिक्ष में सिग्नल भेजता है। इसके अलावा एसईटीआई के वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी सिग्नेचर का भी पता लगाते हैं।

ग्रुप के मुताबिक एलियन से मिलने के लिए ज्यादा उत्सुक नहीं होना चाहिए। अगर कोई

सभ्यता अंतरिक्ष से धरती पर आती है तो वह इंसानों से ज्यादा उन्नत होगी। उनका आना खतरनाक हो सकता है।

हालां?कि मनुष्य का ए?लियन से सामना और इसके खतरों को दिखाने के लिए उन्होंने पहली बार औपनिवेशिक संपर्कों का सहारा लिया। ग्रुप का कहना है कि क्रिस्टोफर कोलंबस जब पहली बार यूरोप से अमेरिका गए तो वहां के लोगों को मारा और गुलाम बना लिया। अगर एलियन धरती पर आते हैं तो यहां पर भी कुछ ऐसा ही हो सकता है।

शाइस्ता परवीन की तलाश में आजमगढ़ जिले में एसटीएफ की छापेमारी

आजमगढ़। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही शाइस्ता परवीन को लेकर आजमगढ़ जिले के फूलपुर में एसटीएफ ने अधिवक्ता के घर पर छापेमारी की। एसटीएफ की छापेमारी से इलाके में हडकंप मच गया। वहीं करीब दो घंटे तक एसटीएम पूछताछ के बाद वापस चली गई इस संबंध में जिले का कोई आलाधिकारी नहीं बोल रहा है, लेकिन आसपास के ग्रामीण ने इसकी तस्दीक की है कि तड़के एसटीएफ ने छापेमारी की और करीब दो घंटे तक पूछताछ भी की। बता दें कि शाइस्ता परवीन प्रयागराज के चर्चित उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद आरोपी है। पुलिस ने उन पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया है। उमेश पाल की हत्या के बाद से ही वहां फरार है। आखिरी बार प्रयागराज में उसकी सीसीटीवी फुटेज सामने आई थी, जिसमें उसके साथ गुड्डू मुस्लिम भी दिखाई दे रहा था। इसके बाद जांच एजेंसियां लगातार उसकी तलाश में छापेमारी कर रही हैं, लेकिन अब तक उनके हाथ खाली है। इसी बीच यूपी एसटीएफ ने बिलरामउ गांव में अधिवक्ता समशुद्दीन के घर पर छापेमारी की। यहां एसटीएफ ने अधिवक्ता से करीब दो घंटे तक पूछताछ के बाद रवाना हो गई। वहीं एसटीएफ की छापेमारी से गांव में हडकंप मच गया। एसटीएफ के जाते ही गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई।

रायगढ़ भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 22 हुई

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर अब 22 हो गई, एनडीआरएफ ने तलाशी अभियान फिर शुरू किया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने भूस्खलन प्रभावित इरशालगढ़ में अपना खोज और बचाव अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि अब तक घटनास्थल से 22 शव बरामद किए जा चुके हैं। रायगढ़ जिले के खालापुर तहसील में पहाड़ी ढलान पर स्थित आदिवासी गांव में भूस्खलन हुआ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार त्रासदी स्थल का दौरा किया और राहत एवं बचाव प्रयासों का जायजा लिया। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। घटना के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री शिंदे से बात की। शाह ने कहा कि बचाव अभियान को अंजाम देने के लिए एनडीआरएफ की चार टीमों को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ की 5वीं बटालियन के कमांडेंट एसबी सिंह ने कहा कि शुक्रवार को पांच और शव बरामद किए गए और खराब मौसम की स्थिति के कारण जिला प्रशासन के परामर्श से खोज और बचाव अभियान को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया गया।

टमाटर डकैती मामले में कर्नाटक में दंपति गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के आरएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन में दर्ज टमाटर लूट मामले में एक दंपति को गिरफ्तार किया है और तीन अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार जोड़े की पहचान भास्कर और उसकी पत्नी सिंधुजा के रूप में हुई है। मामले में रॉकी, कुमार और महेश की तलाश जारी है। घटना 8 जुलाई को हुई थी। बदमाशों ने बेंगलुरु में किसान को धमकी देकर 2,000 किलोग्राम टमाटर ले जा रहे वाहन को लूट लिया था। किसान चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर शहर से कोलार बाजार में टमाटर ले जा रहा था। टमाटरों पर नजर पड़ने के बाद बदमाशों के गिरोह ने गाड़ी का पीछा किया था। उन्होंने वाहन को रोक कर बोलेरो मालवाहक वाहन के किसान और चालक के साथ मारपीट की और आरोप लगाया कि उनके वाहन को टक्कर मार दी गई है। उन्होंने उनसे पैसों की मांग की थी और बाद में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। वे किसान के साथ मालवाहक वाहन में सवार हुए थे। बाद में बदमाशों ने किसान को जबरदस्ती गाड़ी से बाहर धकेल देकर टमाटर लदी गाड़ी लेकर चले गए। आरएमसी यार्ड पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए और सुराग जुटाए। आरोपी दंपति वाहन लेकर चेन्नई गए थे और वहां टमाटर बेचे थे। उन्होंने वाहन को पीन्या और बेंगलुरु के पास पार्क किया था और दूसरे वाहन में भाग गए थे, इसमें पंजीकरण नंबर प्लेट नहीं थी। गौरतलब है कि कर्नाटक में टमाटर की कीमतें 120 से 150 रुपये तक पहुंच गई हैं। किसानों को टमाटर की फसल की रखवाली करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज, कोलकाता रैली में भड़काऊ भाषण देने का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता राजर्षि लाहिड़ी ने कोलकाता में एक रैली में भड़काऊ भाषण देने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अभिषेक बनर्जी ने 21 जुलाई को रैली को संबोधित किया था। शिकायत शनिवार को रवीन्द्र सरोवर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी भाजपा नेता ने अपनी पुलिस शिकायत में कहा कि अभिषेक बनर्जी ने कथित तौर पर 5 अगस्त, 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पश्चिम बंगाल में 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)' के सभी नेताओं, सक्रिय सदस्यों, अनुयायियों और समर्थकों के खिलाफ 'गलत कारावास और गलत संयम' के गंभीर अपराध के लिए अपने राजनीतिक दल के सदस्यों को उकसाने की कोशिश की। इस उकसावे और धमकी की प्रकृति न केवल लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि कानून का घोर उल्लंघन भी है। भारतीय संविधान के अनुसार, हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का मौलिक अधिकार की गारंटी दी गई है। राजर्षि लाहिड़ी ने अपनी ऑनलाइन शिकायत में पुलिस को बताया, 'गलत कारावास और गलत संयम' जैसे कृत्यों को स्पष्ट रूप से भारतीय कानूनी प्रणाली के तहत दंडनीय अपराध के रूप में मान्यता दी गई है।

फ्लाइट का इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश में अमेरिकी शख्स गिरफ्तार

बेंगलुरु। एक अमेरिकी शख्स को फ्लाइट के अमरजेंसी दरवाजे को खोलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आसमान में पैसेंजर्स की सांसे उस समय अटक गई जब एक यात्री ने इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश की। दरअसल, पेरिस से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एक हवाई जहाज का इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश करने वाले अमेरिका के एक 29 वर्षीय डेटा इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी के मूल निवासी वेंकट मोहित पथिपति के रूप में हुई। वेंकट मोहित अमेरिकी किराना कंपनी में डेटा इंजीनियर के रूप में काम करते हैं। वह बेंगलुरु में अपनी चाची से मिलने के लिए वापस जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक एयर फ्रांस के एक कर्मचारी ने केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वहीं पुलिस ने वेंकट मोहित के खिलाफ एयरक्राफ्ट रूल्स-1937 और आईपीसी 336 के तहत एफआईआर दर्ज की हालांकि मोहित को थाने से जमानत पर छोड़ दिया गया। दरवाजा खोलने के पीछे कारण बताते हुए मोहित ने पुलिस को बताया कि 'मैं सिर्फ दरवाजे को खोलने और बंद करने की जांच कर रहा था।' सूत्रों के मुताबिक मोहित की हरकत से अन्य यात्री सकते में आ गए। जिसके बाद बेंगलुरु में विमान के एयरपोर्ट पर उतरने के तुरंत बाद एयर क्रू ने पुलिस को सूचना दी और उनसे मोहित को हिरासत में लेने को कहा।

असम सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

गुवाहाटी। असम सरकार ने प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध इस साल 2 अक्टूबर से लगेगा जिसमें 1 लीटर से कम की पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) से बनी पीने के पानी की बोतलों के उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। असम सरकार ने इस साल 2 अक्टूबर से राज्य में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की भी घोषणा की है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में गुवाहाटी के जनता भवन में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद सीएम सरमा ने मीडिया को मंत्रिमंडल के सभी फैसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीएम सरमा ने कहा कि राज्य कैबिनेट ने 1 लीटर से कम मात्रा वाली पीईटी से बनी पीने के पानी की बोतलों के उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 के अनुसार राज्य में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने को मंजूरी दे दी है।

नीतीश मंत्रिमंडल का हो सकता है विस्तार, हर कोटे को खुश करने की रहेगी कोशिश

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के कैबिनेट विस्तार होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो इस बार हर कोटे को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी कुछ दिनों में सीएम नीतीश अपने कैबिनेट में कुछ और मंत्रियों को शामिल कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और राजद कोटे से दो-दो विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। राजद की ओर से दोबारा राजपूत और भूमिहार चेहरे को मंत्रिमंडल में स्थान दिया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस को अगर दो सीटों का कोटा मिलता है, तो माना जा रहा है कि एक सवर्ण और एक पिछड़ी जाति के चेहरे को मौका मिल सकता है। इसी क्रम में बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। अखिलेश प्रसाद सिंह और बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने का कार्यक्रम है। गौरतलब है कि नीतीश कैबिनेट में कांग्रेस की ओर से फिलहाल आफाक अहमद और मुरारी गौतम मंत्री हैं और कांग्रेस लंबे समय से अपने अन्य नेताओं को कैबिनेट में शामिल करने की मांग करती रही है। कांग्रेस अपनी पार्टी से दो लोगों को मंत्री बनाना चाहती है।

हालांकि माना यह भी जा रहा है कि नीतीश सरकार में आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कुछ नए लोगों को कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। जानकारी यह भी मिल रही है कि सुधाकर सिंह और कार्तिक मास्टर के रिप्लेसमेंट के तौर पर उसी कोटे को भरा जाएगा। राजपूत कोटा से डब्लू सिंह और चेतन आनंद हो सकते हैं तो भूमिहार कोटा से कार्तिक मास्टर फिर से बनाए जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस से विजय शंकर दुबे, आनंद कुमार सिंह और वीजेंद्र चौधरी एक मंत्री का विभाग बदल सकता है। गौरतलब है कि बीते महीने जीतन राम मांझी की अगुवाई वाली पार्टी हम के नेता संतोष सुमन ने भी नीतीश सरकार से इस्तीफा दे दिया था। उनकी पार्टी अब एनडीए में शामिल हो चुकी है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत मंत्रियों की संख्या फिलहाल 30 है।

माफिया के लिए महा काल है डबल इंजन की सरकार : योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि माफिया, भ्रष्टाचारी, अपराधी और बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए डबल इंजन की सरकार महा काल है। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''माफिया, भ्रष्टाचारी, अपराधी और बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए डबल इंजन की सरकार महा काल है। बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाला कोई भी हो वो धरती पर नहीं रसातल में जाएगा। योगी ने कहा, मुजफ्फरनगर में जो लोग पहले लोगों का पलायन कराते थे, आज वो खुद पलायन कर चुके हैं।'' विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, ''यह काम पहले भी हो सकता था, मगर पहले की सरकार के पास आपकी आस्था को सम्मान देने की फुर्सत नहीं थी। उन्होंने न विरासत को सम्मान दिया, ना विकास को आगे बढ़ाया। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''आज कांवड़ियों को कोई परेशान नहीं कर सकता, आज तो उन पर सरकार पुष्प वर्षा करा रही है। पहले की सरकारों को ऐसा करने में अपना वोट बैंक खिसकता दिखता था। मगर आज जनता ने जातिवाद से ऊपर उठकर ऐसे लोगों को सत्ता से ही खिसका दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जल्द शुक्रतीर्थ विकास परिषद का गठन करने जा रही है। इससे विकास को नया आयाम मिलेगा, कनेक्टिविटी बढ़ेगी, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और विकास के नये नये द्वार खुलेंगे। इससे पूर्व उन्होंने पौधरोपण करते हुए प्रदेशवासियों से एक-एक पेड़ लगाने की अपील की।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने केंद्र से 315 करोड़ रुपये का लंबित आपदा कोष जारी करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में वर्षा जनित घटनाओं के कारण प्रभावित लोगों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को केंद्र से राज्य का 315 करोड़ रुपये से अधिक का लंबित आपदा राहत कोष जारी करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से राज्य का 315.8 करोड़ रुपये का आपदा मुआवजा रोका गया है। सुक्खू ने यहां जारी एक बयान में कहा कि देरी का कारण महालेखाकार द्वारा उठाई गई आपत्तियां थीं, जिन्हें राज्य सरकार ने लगातार प्रयासों के माध्यम से सफलतापूर्वक हल कर लिया है। बयान में कहा गया है कि लंबित धनराशि में 2020-21 के लिए आवंटित 121.71 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत 2021-22 के लिए 133.56 करोड़ रुपये और राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के तहत 2019-20 के लिए 61.07 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह उल्लेख करते हुए कि सभी आपत्तियां अब दूर कर दी गई हैं, मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि धनराशि जल्द से जल्द जारी की जाए क्योंकि पर्वतीय राज्य में मौजूदा मानसून के मौसम में लगातार बारिश और अचानक बाढ़ के कारण गंभीर तबाही देखी जा रही है। सुक्खू ने कहा कि यदि अनुरोध के बाद राशि शीघ्र जारी की जाती है, तो यह राज्य के नुकसान की भरपाई के प्रयासों में सहायता करने और हाल की आपदा से प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बयान में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को उम्मीद है कि केंद्र सरकार राज्य के आह्वान पर ध्यान देगी और इस चुनौतीपूर्ण समय में सहयोग करेगी। हिमाचल प्रदेश राज्य आपातकालीन मोचन केंद्र के अनुसार, 24 जून से राज्य में मानसून की शुरुआत के बाद से, भूस्खलन, अचानक बाढ़ और सड़क दुर्घटनाओं जैसी बारिश से संबंधित घटनाओं में 138 लोगों की मौत हो गई है।

पिछले नौ साल में करोड़ों नौकरियां खत्म हुईं, युवाओं का भविष्य अंधकार में है: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा करीब 70 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाने की पृष्ठभूमि में शनिवार को आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों के दौरान करोड़ों नौकरियां खत्म हो गईं और लगभग 20 हजार लघु एवं मध्यम इकाइयां बंद हो गईं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री किश्तों में भर्ती पत्र बांटकर ऐसे जता रहें हैं कि मानो उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा पूरा कर दिया हो, जबकि उनकी सरकार के तहत युवाओं का भविष्य अंधकार में है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि एमएसएमई क्षेत्र इस 'अमृतकाल' में अपने सबसे बुरे दौर का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को करीब 70 हजार लोगों को डिजिटल माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सत्ता के लोभ में राष्ट्रीय हितों को तिलांजलि दी गई।

खरगे ने ट्वीट किया, ''देश में तीन वर्षों में ही क़रीब 20,000 एमएसएमई उद्योग ठप्प हुए। अकेले सरकारी महकमों में ही 30 लाख पद ख़ाली हैं। पर 'इवेंटजीवी' मोदी सरकार के मुखिया, मोदी जी किश्तों में भर्ती पत्र बांटकर ऐसे जता रहें हैं कि मानो उन्होंने दो करोड़ नौकरियां, प्रति वर्ष देने का भाजपाई वादा पूरा कर दिया हो।'' उन्होंने कहा, ''वो तो सरकार के स्वीकृत पद हैं, वो तो कब के भर जाने चाहिए थे ! पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, स्टैंडअप इंडिया आदि का इवेंट तो बनाया गया, पर लाखों एमएसएमई को मोदी सरकार की ग़लत नीतियों का दंश झेलना पड़ा !'

खरगे ने आरोप लगाया, ''करोड़ों युवाओं की नौकरिया ख़त्म हो गई। उनका भविष्य अंधकारमय हो गया। एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस को तो ख़ासा चोट पहुंची। देश के युवा अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस युवा विरोधी सरकार को जाना होगा। भारत जुड़ेगा, 'इंडिया' जीतेगा !'' रमेश ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री का सारा ध्यान सिर्फ अपने चुनिंदा पूंजीपति मित्रों को फ़ायदा पहुंचाने पर है। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले एमएसएमई को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। लोकसभा में सरकार ने ख़ुद माना कि तीन साल में क़रीब 20 हज़ार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम बंद हुए हैं। यह अनुमान भी वास्तविकता से बेहद कम है।'' उन्होंने दावा किया, ''एमएसएमई क्षेत्र अभी तक नोटबंदी और जीएसटी की मार से नहीं उबरा है। सरकार की तरफ़ से पर्याप्त कदम भी नहीं उठाए जा रहे हैं। यही कारण है कि जो सेक्टर युवाओं को रोज़गार देने में अहम भूमिका निभा सकता था, देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान कर सकता था, वो तथाकथित अमृत काल में अपने सबसे बुरे दौर में है।

बेगूसराय की घटना में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दूसरों की तलाश

– भाजपा नेता ने विपक्ष की शुतुरमुर्ग से तुलना की

बेगूसराय (एजेंसी)। बेगूसराय जिले के तेघड़ा क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति और लड़की को निर्वस्त्र कर पीटने का आरोप ग्रामीणों पर लगा है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, भाजपा ने नीतीश कुमार पर मामले को लेकर निशाना साधा है। पुलिस के मुताबिक, अधेड़ और लड़की को निर्वस्त्र करने का वीडियो वायरल हो रहा था। वीडियो का पुलिस को संज्ञान आने के बाद इसकी जांच की गई, तब यह वीडियो तेघड़ा थाना के पकठौल गांव का पाया गया।

किशन देव चौरसिया कीर्तन भजन करने का काम करता है और गांव में हारमोनियम भी सिखाता है। पुलिस के मुताबिक, बीते 20 जुलाई की रात लड़की घर से हारमोनियम सीखने की बात कहकर किशन देव के घर पहुंची। इसके बाद ग्रामीण चौरसिया के घर घुसे और दोनों को आपत्तिजनक हालत में पाया। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर कपड़े फाड़कर जमकर पिटाई की। कुछ ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तेघड़ा थाना क्षेत्र से वायरल वीडियों की जांच के बाद मुख्य अभियुक्त चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया गया है, और अन्य 3 नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़िता की मेडिकल जांच कर न्यायालय में बयान दर्ज कराया जायेगा।

उधर, भाजपा के बेगूसराय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ट्वीट कर नीतिश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि बेगूसराय के पकठौल गांव में लड़की को निर्वस्त्र कर पीटा गया, अब इतनी घिनौनी घटना की जिम्मेदारी लेने के नाम पर नीतीश कुमार सहित विपक्ष के तमाम लोग शुतुरमुर्ग की तरह जमीन में मुंह गड़ा लेने वाले हैं। न्याय की उम्मीद किससे करें, जब बिहार में कुर्सी की खातिर कानून-व्यवस्था की बलि चढ़ा दी गई है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने 72 सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर रवाना किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के 72 सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को सिंगापुर रवाना करने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनका (शिक्षकों का विदेश) दौरा शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। मान ने शिक्षा के क्षेत्र में पेशेवर ज्ञान और विशेषज्ञता को अद्यतन करने के लिए प्रधानाध्यापकों के दो और बैच को सिंगापुर रवानगी के लिये हरी झंडी दिखाने के बाद यह बात कही। इन प्रधानाध्यापकों को सिंगापुर के प्रिंसिपल्स अकादमी में प्रशिक्षण के लिये भेजा गया है। मान ने कहा, ''इन 72 प्रधानाध्यापकों में से 92-93 प्रतिशत पहली बार विदेश दौरे पर जा रहे हैं, और उनका यह दौरा प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए मील का पत्थर साबित होगा।'' उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान इन सभी प्रधानाध्यापकों को विदेशों में प्रचलित आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से लौटने के बाद ये प्रधानाध्यापक छात्रों और उनके सहयोगियों के साथ अपने ज्ञान को साझा करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्र विदेशों के अध्ययन के पैटर्न से परिचित हो सकें। मान ने कहा कि इससे राज्य के छात्र विदेशों में पढ़े अपने साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा, ''इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के छात्रों को पंजाब में विश्व स्तरीय शिक्षा मिले, जिससे वे अपने कॉन्वेंट में शिक्षित साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकें।''

अजित पवार के सीएम बनने की अटकलें तेज, महाराष्ट्र की सियासत गरमाई

–बीजेपी के आला नेताओं से मिलने अचानक दिल्ली पहुंचे सीएम एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। अजित पवार के सीमए बनने की अटकलें तेज होने से एक बार फिर महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी उथलपुथल होने की आशंका जताई जा रही है। ज्यादातर सियासी हल्के के जानकार कह रहे हैं कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार जल्द ही सीएम बनने जा रहे हैं। इन अटकलों के पीछे बड़ी वजह यह है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अचानक दिल्ली दौरे पर निकल गये हैं। इस बार एकनाथ शिंदे अकेले दिल्ली नहीं गए हैं बल्कि उनका पूरा परिवार दिल्ली पहुंच गया है। वे मीना बाग स्थित बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे के आवास पर ठहरे हैं। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ बीजेपी नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। यहां गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को यह बयान दिया था कि अजित पवार जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके बाद अब एनसीपी के एक बड़े नेता ने भी अजित पवार को मुख्यमंत्री बताया है।

वहीं आज 22 जुलाई को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार का जन्मदिन है। इस जन्मदिन पर एनसीपी नेता अमोल मिटकरी ने एक वीडियो ट्वीट किया है। जिससे अलग सियासी चर्चा छिड़ गयी है। अजित पवार गुट के विधायक अमोल मिटकरी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से अजित पवार का एक वीडियो ट्वीट किया। उन्होंने इस वीडियो को कैप्शन दिया, मैं अजित अनंतराव पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेता हूं! जल्द ही सअजीतपर्व कैप्शन भी दिया गया। चर्चा है कि इससे सियासी गलियारे में एक बार फिर भूचाल देखने को मिलेगा। इधर सीएम एकनाथ शिंदे बीती रात अचानक मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस बीच कहा जा रहा है कि यह कोई नियोजित दौरा नहीं है बल्कि मुख्यमंत्री शिंदे निजी काम से दिल्ली गए।

हालांकि, वह दिल्ली में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसके कुछ दिन पहले ही 18 जुलाई को एकनाथ शिंदे एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे थे। उनके दिल्ली वापस जाने से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या बाकी कैबिनेट विस्तार को लेकर कोई फैसला होगा?

अजित पवार के 8 अन्य एनसीपी विधायकों के साथ सत्ता में आने के बाद कहा गया था कि दूसरा कैबिनेट विस्तार जल्द ही किया जाएगा। मानसून सत्र खत्म होने के बाद कैबिनेट का विस्तार होने की संभावना है। इस लिए यह अटकलें तेज हो गई हैं।

वकील ने दी दलील, जब अक्षय और अदनान भारत में रह सकते हैं तो सीमा क्यों नहीं

–सीमा हैदर ने भारत में ही पति सचिन के साथ रहने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष लगाई याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर के वकील ने दलील देते हुए कहा कि जब अक्षय कुमार और अदनान सामी को भारत में रहने की इजाजत है तो फिर सीमा हैदर को भी भारत में ही रहने दिया जाना चाहिए। सीमा के वकील एपी सिंह ने सरकार से अपील की है कि उनके साथ सहानुभूति रखी जाए। उन्होंने मांग की है कि सीमा को उसके पति सचिन मीणा के साथ भारत में ही रहने देने की इजाजत दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब अक्षय कुमार को कनॉडा की नागरिकता मिल सकती है और अदनान सामी को भारत की नागरिकता दी जा सकती है तो फिर सीमा को भारत में रहने की इजाजत क्यों नहीं दी जा सकती है। गौरतलब है कि भारत में ही पति सचिन संग रहने देने के लिए सीमा ने राष्ट्रपति के समक्ष याचिका भी लगाई है। सीमा के वकील एपी सिंह ने कहा कि सीमा अगर आतंकवादी होती या आईएसआई की एजेंट होती तो चार-चार बच्चों और पूरे डाक्यूमेंट के साथ भारत नहीं आती। मुझे लगता है कि सीमा निर्दोष है। उससे मैंने कहा है कि जांच एजेंसियों का सपोर्ट करें। उन्होंने पूछा कि इस देश में क्या आतंकवादी नहीं आए हैं? सीमा को संरक्षण मिले इसके लिए मैंने राष्ट्रपति को अर्जी दी है।

वकील ने कहा कि अगर सचिन की जगह कोई मुस्लिम भी होता तब भी मैं उसके साथ खड़ा होता। सीमा ने शादी की। उसके पास सभी कागजात हैं।

एपी सिंह ने कहा कि सीमा हैदर नहीं अब वो सीमा मीणा है। सीमा हैदर वो चार साल पहले थी। वकील ने कहा कि अदनान सामी को भारतीय नागरिकता मिली, अक्षय कुमार कनैडियन हैं। बांग्लादेशी और कई पाकिस्तानियों को भारत मे शरण मिली तो सीमा मीणा को क्यों नहीं? धर्म के आधार पर नहीं प्यार की वजह से उसे संरक्षण मिलना चाहिए। वकील ने कहा कि महिलाओं की आदत ये होती कि वो अपनी उम्र सही नहीं बताती। कई देश के पार्लियामेंटेरियन हैं जिन्होंने अपनी गलत उम्र बताई है।

सीमा के वकील ने कहा कि उसके भारत में आने का रास्ता थोड़ा गलत जरूर हो सकता है। नेपाल और भारत का रोटी बेटी का रिश्ता है। नेपाल के रास्ते आयी है वो, क्या पाकिस्तान से चरस, गांजा, स्मैक के साथ आतंकवादी नहीं आते भारत? क्या 75 साल में पाकिस्तान ने कोई मंदिर बनाया। मैंने अर्जी में लिखा कि जब पाकिस्तान, बंगलादेश और यहां तक अफगानिस्तान के हजारों लोगों को भारतीय नागरिकता मिल सकती है तो सीमा को क्यों नहीं। एपी सिंह ने कहा कि अगर शक है तो सीमा हैदर का पॉलीग्राफी टेस्ट, लाई डिटेक्टर टेस्ट कराइये, बच्चों का डीएनए का कराइये। अगर वो गलत निकलती है तो उसे जेल में बंद कीजिए। मुझसे सीमा कहती है कि आपके धर्म मे लोग कहते हैं कि विश्व का कल्याण हो, इससे मैं बहुत प्रभावित हुई हूं। उससे आतंकवाद और आईएसआई एजेंट होने का तमगा हटे, इसकी जांच होनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दिल्ली में 16 अगस्त तक ड्रोन और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर पाबंदी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आतंकी या अपराधी हवाई हमला कर सकते हैं। यह हमला विभिन्न हवाई प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर किया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने 26 दिनों के लिए ड्रोन सहित हवाई वस्तु उड़ाने पर रोक लगा दी है। इसके लिए दिल्ली में धारा 144 लगा दी गई है और जो इसका उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। यह आदेश आगामी 16 अगस्त तक लागू रहेगा। पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की तरफ से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। यह बात सामने आई है कि कुछ अपराधी या आतंकवादी लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हो सकते हैं। किसी आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए वह किसी हवाई प्लेटफार्म जैसे पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएन, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से चलने वाले एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे एयरक्राफ्ट या एयरक्राफ्ट पैराजंपिंग के जरिए हमला कर सकते हैं।

इसके चलते उन्होंने उड़ने वाली इन वस्तुओं के उड़ने पर स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखते हुए रोक लगा दी है। इसे लेकर दिल्ली में धारा 144 लगाई गई है। इसका उल्लंघन करने वाले के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 22 जुलाई से लेकर 16 अगस्त तक के लिए लागू रहेगा।

दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन रविवार को मेंटेनेंस के कारण रहेगी बाधित

नई दिल्ली'दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन रविवार 23 जुलाई को मेंटेनेंस कार्य के कारण बाधित रहेगी। इससे द्वारका सेक्टर-21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी और वैशाली जाने वाले यात्रियों को असुविधा होगी। डीएमआररसी से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को राजस्व सेवा शुरू होने से सुबह 6 बजे तक राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। इसलिए, बाराखंभा रोड मेट्रो स्टेशन खंड पर ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू होने तक यानी सुबह 6 बजे तक बंद रहेगा। अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे राहगीर को मारी टक्कर, मौत इसके अलावा ब्लू लाइन के बाकी हिस्सों में यानी द्वारका सेक्टर-21 से राजीव चौक और मंडी हाउस से नोएडा सिटी सेंटर और वैशाली तक इस अवधि के दौरान ट्रेन सेवाएं सामान्य समय सारिणी के अनुसार उपलब्ध रहेंगी। बताया जा रहा है कि इस दौरान राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशनों के बीच निर्धारित रख-रखाव कार्य किया जाएगा। सुबह 6 बजे तक ब्लू लाइन पर यात्री (जो राजीव चौक या मंडी हाउस स्टेशनों से आगे या इसके विपरीत यात्रा करना चाहते हैं) को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित स्टेशनों पर उतर जाएं और मंडी हाउस या राजीव चौक स्टेशनों तक पहुंचने के लिए पीली और बैंगनी लाइनों (इसके विपरीत) का उपयोग करें और ब्लू लाइन पर अपनी यात्रा जारी रखें। यात्रियों को इसके बारे में सूचित करने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर नियमित घोषणाएं भी की जाएगी और यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त कर्मचारी भी तैनात किए जाएंगे। नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी सेक्शन में ट्रेन सेवाएं रविवार को नियमित समय सारणी के अनुसार सुबह 8 बजे शुरू होंगी।

इंद्रपुरी को नारायणा से जोड़ने वाले ब्रिज का होगा नवनिर्माण: दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली। 'आप' विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि इंद्रपुरी को नारायणा से जोड़ने वाले ब्रिज का नवनिर्माण होगा जिसके बाद जल्द दोपहिया वाहनों का आवागमन शुरू होगा। जगह की कमी के कारण इंद्रपुरी रेलवे ब्रिज पर दोपहिया वाहनों का आवागमन संभव नहीं था। ब्रिज के दोनों तरफ एमसीडी की जमीन थी इसलिए ब्रिज का काम रुका हुआ था।

अब जब एमसीडी में 'आप' की सरकार है तो ब्रिज का काम रेलवे को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि बुद्ध नगर से इंद्रपुरी, इंद्रपुरी से नारायणा या नारायणा से इंद्रपुरी जाने वालों के लिए पूरा रास्ता बंद था। जिसके कारण लोगों को गोलचक्कर से होते हुए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। जल्द यह ब्रिज तोड़कर नया ब्रिज बनाया जाएगा जिससे लोगों को आने-जाने में आसानी होगी और उनका काफी खर्चा भी बचेगा। 'आप' पार्षदा ज्योति गौतम ने कहा कि विधायक दुर्गेश पाठक ने उपचुनाव के दौरान वादा किया था कि अगर वह जीतते हैं तो इस पुल का काम जरूर करवाएंगे और एक साल के अंदर इस वादे को पूरा भी किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय एडमिशन की केंद्रीकृत प्रक्रिया को खत्म कर कॉलेजों को कट-ऑफ जारी करने का दे अधिकार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की इकाई एएडीटीए और सीवाईएसएस ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन लेने में छात्रों को हो रही परेशानी पर गंभीर चिंता जताई है। एएडीटीए के सदस्य आनंद प्रकाश का कहना है कि डीयू ने एडमिशन प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर दिया है। इससे छात्रों को कॉलेजों की कटऑफ के बारे में पता नहीं चल पा रहा है और उनको कोर्स व कॉलेज चयन में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने डीयू से मांग की कि एडमिशन की केंद्रीकृत प्रक्रिया को खत्म कर कॉलेजों को कट-ऑफ जारी करने का अधिकार दिया जाए। ,द्यह्यश्च ऋद्बस्र - जुगाड़ से बनाई गाड़ी पलटी, महिला की मौत इसके साथ ही ओबीसी-ईडब्ल्यूएस छात्रों को सर्टिफिकेट सत्यापन के लिए पहले की तरह 15 दिन का समय दिया जाए। सीवाईएसएस के प्रदेश सचिव कमल तिवारी ने कहा कि इस बार भी सीवाईएसएस ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जहां संपर्क कर छात्र एडमिशन संबंधित समस्याओं का समाधान ले सकते हैं। सीवाईएसएस की प्रदेश सचिव अनुशा ने सर्टिफिकेट अपलोड करने से वंचित रह गए छात्रों के लिए स्पेशल विंडो खोलने और छात्राओं को पूर्व की तरह एडमिशन में मिल रही 1-2 फीसद की छूट को जारी रखने की मांग की है। स्वारघाट में खाई में गिरी कार, दो की मौत, एक लापता प्रोफेसर आनंद प्रकाश ने कहा कि डीयू ने विकास शुल्क समेत अन्य सुविधाओं के नाम पर पिछले दो वर्षों में करीब 1700

रुपये की फीस बढ़ोतरी की है। इसके अलावा ईडब्ल्यूएस के नाम पर 150 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। पहले ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। डीयू में फी वृद्धि होती है तो पहले उसे एग्जिक्यूटिव काउंसिल (ईसी) में लाया जाता है और सर्व सम्मति से फैसला लिया जाता है। पहले ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के सर्टिफिकेट के सत्यापन के लिए 15 दिन का समय दिया जाता था। अब इस छूट को खत्म कर दिया गया है। जानकारी के अभाव में बच्चे नया सर्टिफिकेट नहीं बनवा पाते हैं। इसलिए हम मांग करते हैं कि ऐसे बच्चों के लिए 15 दिन की छूट दी जाए।इस बार जनता भवन के सामने होगा स्वतंत्रता दिवस परेड उन्होंने कहा कि जब से सीयूईटी आया है, तब से डीयू में हजारों सीटें खाली रह गई हैं। हमारे पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय की करीब 15 हजार सीटें खाली रह गई थीं। 2021 में 54818 लड़कियों का एडमिशन हुआ था। जब सीयूईटी के जरिए एडमिशन हुआ, तब 37 फीसद एडमिशन कम हुआ। यानी करीब 4 हजार लड़कियों का ही एडमिशन हो पाया। हमारी मांग है कि केंद्रीकृत प्रक्रिया को खत्म कर कॉलेजों को कट ऑफ जारी करने और एडमिशन की जिम्मेदारी दी जाए। ,द्यह्यश्च ऋद्बस्र - पांचला मामले में झूठ बोल रहे हैं डीजीपी- शुभेंदु अधिकारी इन हेल्पलाइन नंबरों पर छात्र करें संपर्क छात्र एडमिशन संबंधित अपनी समस्या के समाधान के लिए सीवाईएसएस के प्रदेश सचिव कमल तिवारी (9717208239), संजय कुमार (8375019223), अनुशा सिंह (8586049885), लॉ छात्र एस. फोगाट (9868454488), लोकेश चौधरी (8222840599), वेंकेटेश्वर कॉलेज के एलएल धाकर (9589270036), श्रद्धानंद कॉलेज से वंशिका (9871553657) से संपर्क कर सकते हैं।

मणिपुर और पश्चिम बंगाल में महिलाओं का उत्पीड़न निंदनीय : अभाविप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मणिपुर व पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं की कड़ी भर्त्सना की है। अभाविप ने इन मामलों में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। अभाविप के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह ने कहा कि मणिपुर में हिंसापूर्ण स्थिति को सामान्य करने निमित्त हरसंभव प्रयास किए जाएं। वर्तमान में राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि विभिन्न राज्यों में महिलाओं के साथ लगातार बढ़ते यौन दुर्व्यवहार के मामले अत्यंत शर्मनाक हैं। महिलाओं के साथ अपराधों की घटनाओं को रोकने लिए केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा कठोरतम तथा प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे राहगीर को मारी टक्कर, मौत अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री अंकिता पवार ने कहा कि मणिपुर व पश्चिम बंगाल में हिंसा तथा महिलाओं के साथ अपराध व यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अत्यंत निंदनीय व चिंताजनक हैं। सभ्य राष्ट्र व समाज में हिंसा तथा अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। राजस्थान से लगातार महिलाओं के साथ जघन्य अपराध व गैंगरेप जैसे मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में बिना किसी राजनीति के कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए तथा अपराधियों को कड़ा दंड मिले। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि हाल ही में जिस प्रकार से मणिपुर, पश्चिम बंगाल, राजस्थान जैसे राज्यों में महिलाओं के साथ लगातार अपराध की घटनाएं व हिंसा हुई है, वह अत्यंत शर्मनाक व चिंताजनक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सरकार से ऐसे मामलों में सख्ती से निपटे जाने की मांग करती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समाज से आह्वान करती है कि अपराध तथा हिंसा रोकने के लिए समाज के स्तर पर प्रभावी कदम उठाने के लिए प्रत्येक नागरिक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए आगे आए।

'आप' के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने मणिपुर मामले को लेकर सदन में चर्चा की मांग की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने सदन के अंदर मणिपुर में हो रहीं शर्मनाक घटनाओं को लेकर सदन में चर्चा कराने मांग की। उन्होंने संसद के नियम 267 के तहत बिजनेस सस्पेंशन नोटिस दायर कर मणिपुर के लोगों की जान माल की सुरक्षा के लिए एक स्टैंड लिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। सभी सूचीबद्ध कार्यों को निलंबित करने और मणिपुर राज्य पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र बुलाने की राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की अपील विपक्षी सांसदों की सामूहिक मांग को दर्शाती है, जो बढ़ते संकट को लेकर चिंतित हैं और विभिन्न पक्षों की ओर से कई बार 'व्यवसाय के निलंबन' के नोटिस स्थिति की गंभीरता पर और जोर देते हैं। अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे राहगीर को मारी टक्कर, मौत राघव चड्ढा ने इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी घेरा और कहा कि 2017 में प्रधानमंत्री ने खुद ट्वीट कर कहा था कि जो लोग राज्य में शांति सुनिश्चित नहीं कर सकते, उन्हें मणिपुर पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो हो रहा है, वह

भयानक, वीभत्स, विनाशकारी और 2017 से कहीं अधिक बड़ा है। जवाबदेही की मांग करते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि भाजपा की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले पर चर्चा करे और क्षेत्र में चल रही गतिविधियों के बारे में सदन को सूचित करे। उन्होंने कहा, मणिपुर की स्थिति डबल इंजन सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करती है। चड्ढा ने मणिपुर में एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को हटाने और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। जिससे एक शक्तिशाली संदेश जाए कि मणिपुर के लोग एक ऐसी सरकार चाहते हैं जो उनकी शिकायतों को प्रभावी ढंग से लेकर सुलझा सके और उनकी सुरक्षा व कल्याण सुनिश्चित कर सके। उन्होंने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार जिम्मेदारी से काम करे। लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दे और मणिपुर में चल रहे संकट को समाप्त करे।

यमुना में उफान बरकरार, तीसरी बार खतरे के निशान से ऊपर पहुंची नदी; बाढ़ का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने से लोगों की धड़कनें भी बढ़ने लगी हैं। तीसरी बार यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया। शाम को करीब छह बजे तीसरी बार यमुना का जलस्तर 205.38 मीटर के पार पहुंच गया है, जिससे यमुना के आस पास रहने वाले लोगों की चिंता बढ गई है। बाढ़ प्रभावित लोग अभी अपने बचे खुचे सामान ठीक से सुखा भी नहीं पाए हैं कि इनके सर पर फिर से बाढ़ का खतरा मंड़राने लगा है। करीब एक हफ्ते से जलमग्न राजघाट परिसर से शुक्रवार को ही पानी निकाला गया है। पानी बढ़ने पर यमुना के करीब स्थित इस गहरी जगह पर फिर से पानी भरने का खतरा है। 10 जुलाई को यमुना ने खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर लिया था और 13 जुलाई को यमुना ने दिल्ली में 1978 में आई बाढ़ के दौरान के अपने जलस्तर 207.49 मीटर के रिकार्ड नीचे छोड़ दिया था।पुराने रेलवे ब्रिज पर तब इसका अधिकतम जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया। छह दिन बाद 19 जुलाई को सुबह पांच बजे यमुना का जलस्तर फिर से खतरे के निशान के नीचे 205.22 मीटर पर आया। लेकिन छह बजे से इसका जलस्तर फिर बढ़ने लगा।

सुबह सात बजे यमुना खतरे के निशान को पार कर गई। शाम को पांच बजे तक इसका जलस्तर 205.79 मीटर पहुंच गया। इसके बाद शाम छह बजे तीसरी बार यमुना का पानी नीचे आने के बाद फिर से खतरे के निशान को पार कर गया है।

प्रशासन की तरफ से बताया जा रहा है कि पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है।

एयरपोर्ट पर विदेशी मुद्रा की की सबसे बड़ी बरामदगी, 10 करोड़ से ज्यादा के साथ तीन ताजिकिस्तानी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने आईजीआई एयरपोर्ट, टर्मिनल-3, पर तीन तजाकिस्तानी नागरिकों से 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की हैं। यात्रियों के खिलाफ विदेशी मुद्रा की तस्करी का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के सामान की विस्तृत जांच और व्यक्तिगत तलाशी के परिणामस्वरूप उनके पास से 10.06 रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा (7,20,000 अमेरिकी डॉलर और 4,66,200 यूरो) बरामद हुई है। बरामद विदेशी मुद्रा को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत जब्त कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

23 जुलाई को दूसरा वन महोत्सव दिल्ली के द्वारका में होगा

नई दिल्ली। दिल्ली में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष की तरह इस बार भी दिल्ली सरकार द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। नौ जुलाई को दिल्ली के आईएआरआई पूसा से शुरू किए गए वन महोत्सव कार्यक्रम को इस वर्ष दिल्ली के अलग-अलग लोकसभाओं में मनाया जाएगा। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए दूसरा वन महोत्सव कार्यक्रम पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के द्वारका मेला ग्राउंड में 23 जुलाई को मनाने का निर्णय लिया गया है कार्यक्रम के दौरान पश्चिमी दिल्ली लोकसभा के ईको क्लब के बच्चे व शिक्षक समेत आरडब्लूए के सदस्य मौजूद रहेंगे। साथ ही निःशुल्क औषधीय पौधों के वितरण का कार्य भी इस वन महोत्सव के दौरान किया जाएगा। संवाददाता सम्मेलन कर पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है। हमारी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए लगातार काम किए हैं।उन तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओं में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए नौ जुलाई को आईएआरआई पूसा से शुरू हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए दूसरा वन महोत्सव कार्यक्रम पश्चिमी दिल्ली लोकसभा के द्वारका मेला ग्राउंड में मनाने का निर्णय लिया गया है।इस साल हमारी सरकार पूरे सात हफ्तों तक प्रत्येक रविवार को दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण के ज़रिये वन महोत्सव को पूरी दिल्ली के साथ मिलकर मनाएगी। इस

कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के आरडब्लूए के मेंबर्स और ईको क्लब्स के बच्चे और अध्यापक भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया की दिल्ली में पिछले सप्ताह यमुना का जल स्तर बढ़ने के कारण दिल्ली में बाढ़ जैसे हालत बन गए थे , जिसके कारणवश हमे 16 जुलाई को उत्तरी पूर्व दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में होने वाले वन महोत्सव कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा था, लेकिन अब दिल्ली काफी हद तक सामान्य ज़िन्दगी पर वापस लौट रही है। जिसके कारण हमने दूसरा वन महोत्सव कार्यक्रम पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र द्वारका मेला ग्राउंड में मनाने का निर्णय लिया है और उत्तर पूर्व दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के रद्द किए गए वन महोत्सव कार्यक्रम की नई तारीख भी जल्द ही घोषित की जाएगी। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है 2022 - 23 तक एक करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए है। इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे 21 सम्बंधित विभागों की हरित एजेंसियो के द्वारा पूरा किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 50 लाख पौधे/झाड़ी एनडीएमसी लगाएगी। पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार के साथ दिल्ली वासियो का भी इस वन महोत्सव में सहयोग रहे इसी कारण सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए मुफ्त औषधीय पौधे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से निःशुल्क औषधीय पौधे बाटें जाएंगे ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षरोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे। इनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे भी शामिल रहेंगे। गोपाल राय ने दिल्ली के लोगो से निवेदन किया कि हम सभी से अपील करते है की इस साल भी सभी लोग मिल कर इस वृक्षारोपण अभियान में शामिल हों। सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। और मुझे भरोसा है कि हम सब मिल कर इस वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाएंगे और दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ जो लड़ाई है, उसे और भी मजबूती के साथ लड़ेंगे।

जंतर मंतर पर भीम आर्मी की रैली

नई दिल्ली। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर भीम आर्मी के द्वारा 0रैली आयोजित की गई। इस रैली का उद्देश्य 28 जून को चंद्रशेखर आजाद पर हुए हमले का विरोध करना और घटना की जांच की मांग करना था। लोकसभा चुनाव से पहले भीम आर्मी की तरफ से शक्ति प्रदर्शन किया

गया है। देशभर के अलग-अलग राज्यों से भीम आर्मी संगठन से जुड़े कार्यकर्ता जंतर-मंतर पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चंद्रशेखर आजाद को केंद्र सरकार के द्वारा जेड प्लस सिक्योरिटी दिए जाने और मामले की सीबीआई जांच करने की मांग की। भीम आर्मी के लोगों ने बताया कि किस तरह से उप्र में भीम आर्मी चंद्रशेखर रावण की जान से मारने की कोशिश की गई। हमारी मांग है कि इस पूरे मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। असली दोषी अभी भी बाहर घूम रहे हैं। यह तो सिर्फ मोहरा है, जो पकड़े गए। इसके अलावा चंद्रशेखर रावण को जेड प्लस सिक्योरिटी दी जाए। जब देश में बाबाओं को जेड प्लस सिक्योरिटी दी जा सकती है तो फिर भीम आर्मी प्रमुख को क्यों नहीं दी जा सकती है?

आरटीआई में खुलासा :नोएडा पुलिस की 58 स्कूटी गायब, पुलिस ने नहीं दिया जवाब

नई दिल्ली। नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट का हाल बेहाल हो गया है। यह हम नहीं कह रहे हैं एक आरटीआई ने यह खुलासा किया है। आरटीआई से जानकारी मांगी गई कि 2020 में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की गई 'स्वयं सिद्धा' नाम की योजना में पहले चरण में 50 और उसके बाद फिर 50 स्कूटी का बेड़ा शामिल किया गया था, जिस पर महिला पुलिसकर्मी व्यस्त जगहों, मार्केट और अन्य जगहों पर गश्त लगाएंगी। इसमें सिर्फ 42 स्कूटी ही पुलिस के पास है।

दरअसल, आरटीआई एक्टिविस्ट रंजन तोमर ने गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट से स्कूटी और कितनी महिला पुलिसकर्मी गश्त लगाती हैं, इसकी जानकारी मांगी। इसका चौंकाने वाला जवाब मिला। समाजसेवी रंजन तोमर की आरटीआई से खुलासा हुआ है कि 100 में से सिर्फ 42 स्कूटी ही पुलिस के पास बची हैं। अगस्त 2020 में पुलिस कमिश्नरेट में तत्कालीन पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने 'स्वयं सिद्धा' योजना का शुभारम्भ किया था। जिसमें 50 स्कूटियों पर महिला पुलिस को रवाना किया गया था। कुल 100 ऐसी स्कूटी पूरे शहर में महिला सुरक्षा के लिए लगाई गई थी। रंजन तोमर ने एक आरटीआई गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में लगाई। जिसके जवाब से कई सवाल खड़े हो गए हैं। कुल 100 स्कूटियों में से 58 स्कूटी का कोई अता-पता नहीं है। जबकि, 42 स्कूटी स्वयं सिद्धा योजना के तहत शहर में चल रही हैं। अन्य स्कूटी की जानकारी पुलिस ने नहीं दी है। ना ही कोई स्कूटी बढ़ाई गई है। आरटीआई एक्टिविस्ट रंजन तोमर का कहना है कि सिर्फ तीन सालों में 58 स्कूटी कहां चली गई, इसकी जांच करनी चाहिए। क्या महिलाओं के प्रति अपराधों में इतनी कमी आ गई है कि 58 स्कूटियों की अब ज़रूरत ही नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गंगा किनारे कल्पवृक्ष रोपकर मुख्यमंत्री ने किया वृक्षारोपण महाभियान 2023 का शुभारंभ

● महात्मा विदुर की नगरी बिजनौर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● बिजनौर के विकास के लिए सीएम योगी ने दी 445 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात ● वृक्षारोपण महाभियान का शुभारंभ करते हुए सीएम ने स्कूली बच्चों को बांटे पौधे ● सात्विकता और लोककल्याण का प्रतीक हैं महात्मा विदुर : योगी

संवाददाता

बिजनौर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बिजनौर से वृक्षारोपण महाभियान 2023 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने गंगा किनारे कल्पवृक्ष का पौधा रोपित किया। इससे पूर्व उन्होंने विदुर कुटी में राजकीय संस्कृत इंटर कॉलेज की भूमि का शिलान्यास किया। उन्होंने 445 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। वहीं प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों को पौधे वितरित किये और सभी से पर्यावरण बचाने के लिए बढ़ चढ़कर पौधरोपण करने का आह्वान किया। इसके उपरांत सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बिजनौर का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। ये महात्मा विदुर की पावन साधना स्थली है, जहां गंगापुत्र भीष्म ने भी अपना बाल्य जीवन व्यतीत किया था। ये वो भूमि है जहां पर भगवान श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के मालपुए को छोड़कर महात्मा विदुर के घर सरसों का साग खाया था। क्योंकि महात्मा विदुर सात्विकता और लोककल्याण

का प्रतीक हैं। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा विदुर के इस पावन धरा को नमन करते हुए मैं बिजनौर वासियों को और उत्तर प्रदेश वासियों को वृक्षारोपण महाभियान 2023 की हृदय से बधाई देता हूं। आज यूपी एक नया रिकॉर्ड बना रहा है, जब 30 करोड़ वृक्षारोपण अभियान को पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। आज वृक्षारोपण महाभियान के अवसर पर मुझे मां गंगा के तट और महात्मा विदुर की पावन साधना स्थली पर आप सबसे संवाद करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मां गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि ये देव नदी हैं। यही नहीं हमारे यहां वृक्षों में भी देवताओं का वास बताया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजनौर भारत के इतिहास की धरती है। यहीं पर गंगा पुत्र भीष्म ने अपना बचपन बिताया था। भारत के इतिहास में महात्मा विदुर की विद्वता और उदारता से भला कौन परिचित नहीं है। ये मेरे लिए गर्व का विषय है कि 2023 के वृक्षारोपण महाभियान को आगे बढ़ाने का अवसर मुझे इसी पुण्यधरा पर प्राप्त हुआ है। ये महाभियान आज पूरे प्रदेश में व्यापक पैमाने पर चल रहा है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, वनमंत्री अरुण कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव वन मनोज सिंह, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ममता संजीव दुबे, पूर्व मंत्री अशोक कटारिया, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेत प्रताप सिंह, विधायक सुशांत सिंह, सुचि चौधरी, अशोक राणा चौधरी, ओम कुमार, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि सहित पार्टी के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

मणिपुर की घटना पर अखिलेश को याद आई फूलन देवी: कहा- वो खाई अभी तक पटी नहीं

मैनपुरी। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज मैनपुरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मणिपुर घटना पर भी बयान दिया। कहा कि मणिपुर जैसी घटना दुनिया में कहीं नहीं हुई होगी। इस घटना ने भारत की प्रतिष्ठा दुनिया में गिराई है। हम आप सब जब ऐसी तस्वीरें देखते हैं, तो हमारा सर शर्म से झुक जाता है। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब फूलन देवी के साथ अपमान हुआ तो सोचिए आज भी वह खाई पट नहीं पाई है। मणिपुर में जो घटना हुई है, उसके लिए भारतीय जनता पार्टी देश की महिलाओं से माफी मांगे। उन्होंने कहा कि इस घटना पर वहां के मुख्यमंत्री का कहना है कि यह कोई एक घटना नहीं हुई है। ऐसी तमाम घटनाएं हुई हैं। भारतीय जनता पार्टी की वोट की राजनीति की वजह से मणिपुर में ऐसी घटना हुई है। जहां महिलाओं को इस तरीके से घुमाया गया है। जहां कहीं भी इस तरीके के मामले आ रहे हैं। सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि मैं कोई विवादित बात नहीं कहना चाहता हूं। ऐसी कोई बात नहीं कहना चाहता हूं, जिससे कोई विवाद बढ़े। बता दें अखिलेश यादव मैनपुरी के कस्बा बेवर के गांव नगला खोकन में एक श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होने के लिए आए थे। जहां उन्होंने पहुंचकर भाजपा सरकार को घेरते हुए उस पर हमलावर होते हुए कई बयान दिए। अखिलेश यादव ने कहा एनडीए की हवा निकल चुकी है। इसलिए उनको जो कोई मिल रहा है। उनको शामिल कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में इस बार बीजेपी का सफाया होगा। इंडिया गठबंधन में मायावती और ओवैसी को न लिए जाने पर अखिलेश ने कहा कि जो गठबंधन बन गया है, यही गठबंधन आगे चलता रहेगा। मतलब साफ है कि इंडिया में मायावती और ओवैसी के लिए कोई जगह बची नहीं है। गठबंधन इंडिया की तरफ से पीएम पद के प्रत्याशी से जुड़े सवाल पर अखिलेश ने कहा कि हमारे पास तो बहुत चेहरे हैं। चेहरे की जरूरत है या आपको काम की जरूरत है। अगर आपको महिला प्रधानमंत्री चाहिए तो वो भी चेहरा है हमारे पास, कम उम्र का चाहिए तो वो भी चेहरा है, बुजुर्ग चाहिए वो भी है हमारे पास। हमारे पास तो बहुत चेहरे हैं। ये लोग इंडिया से घबरा गए हैं। हमारे पास इतने प्रधानमंत्री हैं कि सब प्रधानमंत्री बन सकते हैं और कोई न कोई प्रधानमंत्री बनेगा। हम लोग तय करेंगे। इसमें बीजेपी को चिंता नहीं करनी चाहिए। आपके पास तो कोई चॉइस भी नहीं है और जो है वह कितने असफल हैं। यह सबको पता है। अखिलेश यादव ने कहा कि वह कौन सा नेता है, जिसने देश के प्रधानमंत्री को सबसे झूठा प्रधानमंत्री बताया था।

वाराणसी में 30 देशों के 1600 मंदिर प्रबंधकों का महासम्मेलन

वाराणसी । शनिवार को 30 देशों के 1600 मंदिरों का महासम्मेलन शुरू हुआ। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में इसका शुभारंभ किया। भागवत ने कहा, "हमें गली की छोटी-छोटी मंदिरों की सूची बनानी चाहिए। वहां रोज पूजा हो, सफाई रखी जाए। मिलकर सभी आयोजन करें। संगठित बल साधनों से संपूर्ण करें। मंदिरों को अपना-उनका छोड़कर एक साथ आगे आएं। जिसको धर्म का पालन करना है वो धर्म के लिए सजग रहेगा। निष्ठा और श्रद्धा को जागृत करना है। छोटे स्थान पर छोटे से छोटे मंदिर को समृद्ध बनाना है। समय आ गया है, अब देश और संस्कृति के लिए त्याग करें।" मंदिर हमारी परंपरा का अभिन्न अंग हैं। पूरे समाज को एक लक्ष्य लेकर चलाने के लिए मठ-मंदिर चाहिए। कभी हम गिरे, कभी दूसरों ने धक्का मारा... लेकिन हमारे मूल्य नहीं गिरे। हमारे जीवन का लक्ष्य एक ही है... हमारा कर्म और धर्म। यह लोक भी ठीक करेगा और परलोक भी। हमारे मंदिर, आचार्य, देवस्थान, यति साथ चलते हैं, तभी सृजन के लिए हैं। मोहन भागवत ने कहा, "मंदिर को नई पीढ़ी को संभालना है तो उन्हें ट्रेनिंग दें। अपने साधन और संसाधन को एक करके अपनी कला और कारीगरी को सशक्त करें। समाज के कारीगर को प्रोत्साहन मिले तो वह अपने को मजबूत करेगा। मंदिर सत्यम-शिवम-सुंदरम की प्रेरणा देते हैं। मंदिर की कारीगरी हमारी पद्धति को दिखाते हैं। मंदिर को चलाने वाले धर्म होना चाहिए। अपने यहां कुछ मंदिर सरकार और कुछ समाज के हाथ में हैं। काशी विश्वनाथ का स्वरूप बदला, ये भक्ति की शक्ति है। परिवर्तन करने वाले लोग भक्त हैं और इसके लिए भाव चाहिए।" मोहन भागवत ने बताया, "मंदिर पवित्रता के आधार हैं। स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। गुरुद्वारा जाना है तो पानी में होकर जाना होता है। लेकिन, ऐसा सभी मंदिरों में नहीं है। ऐसी ही स्वच्छता का ध्यान रखना है। ये सब मंदिरों में होना चाहिए।" भागवत ने बताया, "समाज में धर्म चक्र परिवर्तन के आधार पर सृष्टि चलती है। शरीर मन और बुद्धि को पवित्र करके ही आराधना होती है। मंदिर हमारी प्रगति का सामाजिक उपकरण हैं। मंदिर में आराधना के समय आराध्य का पूर्ण स्वरूप होना चाहिए। शिव के मंदिर में भस्म और विष्णु के मंदिर में चंदन मिलता है। यह उनकी ओर से समाज को प्रेरणा है।" मोहन भागवत ने कहा, "मंदिर केवल पूजा नहीं मोक्ष और चित्त सिद्धि का स्थल है। सत्य को प्राप्त करना... अपना आनंद सबका आनंद हो, इसके लिए धर्म ही समाज को तैयार करता है।" मोहन भागवत ने कहा, "मंदिर में शिक्षा मिले, संस्कार मिले, सेवा भाव हो और प्रेरणा मिले। मंदिर में लोगों के दुख दूर करने की व्यवस्था हो। सभी समाज की चिंता करने वाला मंदिर होना चाहिए। देश के सभी मंदिर का एकत्रीकरण समाज को जोड़ेगा, ऊपर उठाएगा, राष्ट्र को समृद्ध बनाएगा। मंदिर भक्तों के आधार पर चलते हैं। पहले मंदिर में गुरुकुल चलते थे। कथा प्रवचन और पुराण से नई पीढ़ी शिक्षित होती थी। संस्कार होता है कि मनुष्य को जहां धन, वैभव आदि मिलता है, वह वहां आता है।" उन्होंने कहा, "बलि और हिंसा समय के साथ बदली और यह अब नारियल फोड़कर होती है। समाज प्रकृति और परंपरागत राजा पर निर्भर नहीं है। राजा का काम संचालन है। इसके लिए हम सत्ता देकर सो नहीं जाते, बल्कि उनके कामों का फल चुनाव में देते हैं।" पहली बार इतने बड़े स्तर पर इंटरनेशनल टेम्पल्स कन्वेंशन एंड एक्सपो हो रहा है।

संक्षिप्त डायरी

आगरा में मां को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला: बेटी ने कहा-भाई तब तक पीटता रहा, जब तक वो मर नहीं गई

आगरा । बड़ी खबर है। यहां बेटे ने अपनी 55 साल की मां को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। घर से मां मीरादेवी की लाश मिलने के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजी है। वहीं, इस घटना में बेटे सूरज का कहना है कि उसने अपनी मां को नहीं मारा है। जबकि मीरादेवी की छोटी बेटी पूजा के आरोप हैं कि प्रॉपर्टी के विवाद में उनकी मां की हत्या, भाई ने कर दी है। पुलिस ने बेटे सूरज को उनके शांति कॉलोनी स्थित घर से ही हिरासत में लिया है। मां मीरादेवी के शहर पर कोई खुली चोट नहीं मिली है। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। बेटी पूजा के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 8 बजे उनका भाई सूरज का मां से विवाद शुरू हुआ। सूरज ने मां से प्रॉपर्टी उसके नाम करने का दबाव बना रहा था। मां ने सिर्फ उसको प्रॉपर्टी देने से इनकार कर दिया था। इसी बात को लेकर भाई गुस्सा हो गया। मां को डंडों से पीटना शुरू कर दिया। पूजा ने बताया कि वह और उसकी दूसरी बहन पास के दूसरे मकान में रहती हैं। वह भी उनके पापा ने ही बनवाया था। पापा 9 बीघा जमीन छोड़कर गए हैं। करीब साढ़े सात बीघा जमीन फतेहपुरसीकरी कस्बा के पास है, डेढ़ बीघा जमीन सोहल्ला में है। जिस मकान में मां उसके भाई के साथ रह रही थी, वह भी पिताजी ने बनवाया था। भाई झगड़ा करता था इसलिए हम दूसरे निजी मकान में रहते थे। मां भी हमारे साथ रहती थी। पिछली 3 फरवरी को भाई सूरज मां को उनके पास अपने साथ ले गया था। कुछ दिन ठीक रखा और फिर संपत्ति के लिए मां से झगड़ा करने लगा। मां को हमारे पास भी नहीं आने दे रहा था। मां से पहले भी भाई ने मारपीट की थी। तब हम लोगों ने विरोध किया तो लेकिन भाई ने झगड़ा कर हमें भगा दिया और मां को नहीं आने दिया। पूजा ने बताया कि वह 7 भाई-बहन हैं। जिसमें 3 बहनों की शादी हो चुकी है। 2 बहनें पूजा और आरती अभी अविवाहित हैं। घर पर ही मां के साथ रहती हैं। सूरज से छोटा भाई श्याम सुंदर की भी शादी हो चुकी है। सूरज ने उसे भी घर में नहीं रहने दिया और मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। मजबूरी में छोटा भाई पत्नी के साथ ससुराल में रहता है।

फर्जी फाइटर लेफ्टिनेंट गिरफ्तार:सेना में भर्ती के नाम पर ठगी कर रहा था ठगी

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने मिलिट्री इंटेलीजेंस की सूचना पर भारतीय वायु सेना में फाइटर लेफ्टिनेंट होने का दावा करने वाले युवक को गिरफ्तार किया। वह सेना की वर्दी पहन कर हजारों बेरोजगार युवकों को भारतीय वायु सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर रहा था। शातिर भारतीय वायु सेना में भर्ती कराने के नाम पर कूटरचित नियुक्ति पत्र देकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर चुका था। साथ ही खुद को सेना का अधिकारी साबित करने के लिए खुद के बैनर पोस्टर लगवाने के साथ कई संस्थानों की तरफ से सम्मान समारोह भी आयोजित करवा चुका है। एसटीएफ के मुताबिक इंटेलीजेंस की तरफ से सूचना थी कि यूपी के लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी आदि जिलों में भारतीय वायु सेना में भर्ती करने के नाम पर ठगी का कारोबार चल रहा है। जिसकी सूचना पर एसटीएफ की टीम लगी थी। जिसमें मुखबिर की सूचना पर शनिवार को मुखबिर की सूचना पर चिनहट के पास से कुशीनगर नौरंगिया सरगटिया निवासी उत्कर्ष पाण्डेय को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उसके पास से सेना से जुड़े फर्जी दस्तवेज के साथ सेना की वर्दी भी मिली। पूछताछ में उत्कर्ष ने बताया कि 2020 में भारतीय सेना की एक्स, वाई ग्रुप और एनडीए की परीक्षा दी थी, जिसमें उसके ही गांव के प्रवीण तिवारी का एक्स ग्रुप (टेक्निकल) में सेलेक्शन हुआ, लेकिन उसका नहीं। लोग मजाक न उठाएं इसके चलते सभी से झूठ बोल दिया, कि उसका भी सेलेक्शन हो गया है। इसके बाद परिजनों को झूठ बोला कि ट्रेनिंग तेलंगाना में होने वाली थी। जिसे कोरोना के कारण रोक दिया गया है। जिसके बाद लखनऊ में आगे की ट्रेनिंग की बात बताकर 2021 लखनऊ में किराये का कमरा लेकर स्पाइसी स्वैगर्स नामक फूडशाप खोलकर काम करने लगा। किसी को सक न हो इसके लिए गोरखपुर से भारतीय वायुसेना की वर्दी सिलवा ली। वहीं लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन के पास से मैडल व रिबन खरीद कर वर्दी मे लगा लिया। वहीं कुशीनगर के कसया बाजार स्थित जनसेवा केन्द्र से सेना का आईडी कार्ड बनवा लिया था।

मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

● ऑपरेशन कायाकल्प 2.0 की शुरूआत की तैयारी करें ● परिषदीय विद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 11 हजार करोड़ रु0 खर्च किये गए ● प्रोजेक्ट अलंकार के तहत माध्यमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाए ● मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों को प्रारम्भिक तौर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया जाए, सभी जनपदों में एक विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित किया जाए ● प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 2.36 लाख शिक्षकों को आगामी सितंबर माह तक टेबलेट उपलब्ध कराया जाए, शिक्षकों की ट्रेनिंग कराई जाए ● इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन का माहौल, तकनीकी दक्षता, डिजिटल लर्निंग, वोकेशनल शिक्षा की ओर बढ़ना होगा ● विद्यालयों में ह्यएट ग्रेड लर्निंगह्व की अवधारणा के साथ कक्षा-कक्षों का संचालन कराया जाना जाए, हर विद्यालय में साफ-सफाई व शौचालय की समुचित व्यवस्था हो ● विगत 06 वर्षों में प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 01 लाख 64 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गयी ● बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या 01 करोड़ 34 लाख से बढ़कर 01 करोड़ 91 लाख से अधिक हुई

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा भावी कार्ययोजना के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री जी ने इस सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में विगत 06 वर्षों में प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं, जिनके अच्छे परिणाम मिले हैं। विगत 06 वर्षों में प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 01 लाख 64 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गयी है। परिषदीय विद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 11 हजार करोड़ रुपये खर्च किये गए। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विगत 06 वर्षों में लगभग 03 वर्ष कोरोना महामारी का सामना करने में व्यतीत हुए। इस दौरान, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में लगभग 55 से 60 लाख नये बच्चों का नामांकन हुआ। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या 01 करोड़ 34 लाख से बढ़कर 01 करोड़ 91 लाख से अधिक हो गयी है। इस संख्या को और बढ़ाने के साथ ही, ड्रॉप आउट को नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है। इसके लिए अभिभावकों से संवाद तथा तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करने के

उद्देश्य से प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक है। ऐसे में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 2.36 लाख शिक्षकों को टेबलेट उपलब्ध कराया जाए। यह कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण हो जाये। शिक्षकों की ट्रेनिंग भी कराई जाए। टेबलेट में शासकीय कार्यक्रमों/योजनाओं के बारे में जागरूकता सामग्री प्रीलोडेड होनी चाहिए। टेबलेट खरीद प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऑपरेशन कायाकल्प के पहले चरण में किए गए प्रयासों में आशातीत सफलता मिली है।

अब हमें इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ शैक्षिक गुणवत्ता, पठन-पाठन का माहौल, तकनीकी दक्षता, डिजिटल लर्निंग, वोकेशनल शिक्षा की ओर बढ़ना होगा। विद्यालयों में ह्यएट ग्रेड लर्निंगह्व की अवधारणा के साथ कक्षा-कक्षों का संचालन कराया जाना चाहिए। इसके लिए ऑपरेशन कायाकल्प के दूसरे चरण की शुरूआत की तैयारी करें। हर विद्यालय में साफ-सफाई व शौचालय की समुचित व्यवस्था हो। कहीं भी शिक्षकों का अभाव न हो। शिक्षक-छात्र का अनुपात मानक के अनुरूप हो। विद्यालयों में कक्षाओं की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों को प्रारम्भिक तौर पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लिया जाए। सभी जनपदों में एक विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित किया जाए। पठन-पाठन वहीं हो जहां विद्यालय भवन व्यवस्थित हो। यदि कहीं जर्जर भवन हो तो उसे तत्काल ध्वस्त कराएं, वहां के बच्चों को समीपवर्ती अन्य विद्यालयों में शिफ्ट करें। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत माध्यमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाएं। शासकीय के साथ-साथ वित्त पोषित अशासकीय विद्यालयों में सम्बन्धित प्रबन्ध तंत्र के सहयोग से जीर्णोद्धार का कार्य कराया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मूशलाधार बारिस से नवसारी हुआ पानी पानी, दर्जनों गैस सिलिंडर पानी में बहे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,गुजरातभर में बरसाती माहौल बना हुआ है। खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में बारिश ने कहर बरपा रखा है। दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। भारी बारिश के पानी में दर्जनों गैस सिलिंडर बहने से लोगों में भयभीत हो गए। हरकत में आए प्रशासन ने सभी सिलिंडरों को गोदाम में रखवा दिए हैं। 9 ईंच बारिश से पूरा नवसारी पानी पानी हो गया है। सड़कों पर पानी भर जानेसे शहर के मुख्य रास्ते बंद कर दिएगए हैं।

पारसी अस्पताल के निकट जलजमाव की वजह से मरीजों के परिजनों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। नवसारी के जूनाथाणा क्षेत्र स्थित एक निजी गैस एजंसी में रखे दर्जनों गैस सिलिंडर पानी में बहकर सड़कों पर आ गए। गैस सिलिंडरों को बहते देख आसपास के लोगों में भय की लहर दौड़ गई।

हांलाकि प्रशासन ने गैस सिलिंडरों को गोदाम में रखवा दिया है। मूशलाधार बारिश की वजह से शहर की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर जाने से वाहनों की तीन किलोमीटर लंबी कतारें लग गई। शहर के मध्य क्षेत्र में पानी के तेज बहाव में एक कार बह गई।

गुजरात में आम के मौसम के दौरान अनुमानित 268 करोड़ रुपए के 6.13 लाख मैट्रिक टन आम की हुई बिक्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

22 जुलाई को हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय आम दिवस मनाया जाता है। आम का नाम आते ही गुजरात का नाम उसके साथ अपने आप जुड़ जाता है, क्योंकि गुजरात में आम की खेती से लगभग दो लाख से अधिक किसान जुड़े हुए हैं। ऐसे में जब गुजरात की अर्थव्यवस्था में आम के उत्पादन का महत्वपूर्ण योगदान है, तब राज्य सरकार ने आम के अधिक से अधिक उत्पादन के लिए अनेक प्रोत्साहक योजनाएँ लागू की हैं। गुजरात में वर्ष 2023-24 में आम के मौसम के दौरान अनुमानित 26,850 लाख रुपए मूल्य के 6.13 लाख मैट्रिक टन आम की बिक्री हुई है, जो समग्र देश में हुए कुल आम विक्रय में 7.13 प्रतिशत योगदान को दर्शाता है। गुजरात के सौराष्ट्र, मध्य गुजरात, कच्छ तथा दक्षिण गुजरात क्षेत्रों में अलग-अलग किस्मों के आम का

समग्र देश में आम विक्रय में गुजरात का योगदान 7.13 प्रतिशत

उत्पादन होता है। इनमें केसर, राजापुरी, लंगड़ा, आम्रपाली, हाफुस, सोनपरी, दशेरी, तोतापुरी शामिल हैं। इसमें भी समग्र विश्व में तलाला गीर का केसर आम बहुत विख्यात है। इस आम को उसकी गुणवत्ता के चलते वर्ष 2011 में जीआई (जियोग्राफिकल इंडीकेशन) टैग का दर्ज़ा मिला था। इससे गुजरात के तलाला गीर के आम को वैश्विक स्तर पर अलग पहचान प्राप्त हुई है। गुजरात में कुल उत्पादित आम में लगभग 15 प्रतिशत आम तो देश के अन्य राज्यों में जाते हैं। इसके अलावा, विदेशों में भी गुजरात के आम का बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाता है। गुजरात का विख्यात केसर आम विदेशों में भी काफी पसंद किया जाता है। अहमदाबाद के बावळा में स्थापित गुजरात एग्रो रेडिएशन प्रोसेसिंग फ़ैसिलिटी से प्रथम सीज़न में ही दो लाख किलोग्राम से अधिक केसर आम का ई-रेडिएशन कर अमेरिका एवं दक्षिण अफ़्रीका आदि देशों में निर्यात किया गया है। इस प्लांट के कारण आम की गुणवत्ता का संवर्धन आसान हुआ है, आम का ख़राब होना रुका है तथा परिवहन ख़र्च में भी कमी आई है। पूर्व में आम जैसे फलों का निर्यात करने के लिए गुजरात के किसानों को मुंबई जाकर फलों का गामा ई-रेडिएशन कराना पड़ता था,

गुजरात में अतिभारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, सौराष्ट्र में बाढ़ में बहे 8 लोगों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में अतिभारी बारिश की वजह जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सौराष्ट्र के जूनागढ़, भावनगर, जामनगर, गिर सोमनाथ और देवभूमि द्वारका मेघ तांडव जारी है। शुक्रवार को हुई भारी बारिश से आई बाढ़ में बहे 8 लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में सबसे अधिक वलसाड में 10 ईंच और धरमपुर में 4 ईंच बारिश दर्ज हुई। सौराष्ट्र में सबसे अधिक जूनागढ़ के विसावदर में 9 ईंच और देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया में 2 घंटों के भीतर 5 ईंच बारिश से चहुंओर पानी पानी हो गया। भारी बारिश की वजह से सौराष्ट्र की नदियों में बाढ़ आने से कई शहरों व गांवों में पानी भर गया है। बाढ़ के पानी में बहने से अब तक 8 लोगों की मौत की खबर है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के मुवडी से पाल की ओर जा रहा बाइक सवार पानी में बह गया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने शुक्रवार देर रात तक तलाश कर उसका शव बरामद किया। राजकोट के जेतपुर के रबारिका रोड पर बुधवार को भादर नदी में मच्छीमारी करने गए 4 बिहारी पानी में बह गए थे। एनडीआरएफ ने लगातार दो दिनों की तलाश के बाद 3 लोगों के शवों को बरामद कर लिया। जबकि एक शख्स का कोई खैर खबर नहीं मिली। बीते जिन राजकोट जिले के उपलेटा के निकट भादर नदी में चीखलिया गांव के युवक बाढ़ में बह गया था। जिसकी तलाश अब भी जारी है। जूनागढ़ के मांगरोल तहसील के कंकाणा वाडी के निकट खेत के रास्ते जा रहे दो चचेरे भाइयों की पानी में बहकर मौत हो गई। जूनागढ़ जिले के ही माणावदर के रघुवीरपुरा में 55 वर्षीय व्यक्ति भी बाढ़ की भेंट चढ़ गया। माणावदर के स्टेसन प्लाट से एक 28 वर्षीय युवक की बाढ़ में बहकर मौत हो गई। मेंदरडा तहसील में मधुवती नदी के कोजवे में एक पोस्ट कर्मचारी बह गया था, उसकी भी अब तक कोई खैर खबर नहीं मिली।

जामनगर जिले के लालपुर तहसीलके धरमपुर गांव की एक महिला अपने घर के निकट से पानी में बह गई थी, उसका भी अब तक कोई अता पता नहीं मिला। इसके अलावा अमरेली जिले में वडिया के खानखीजडिया से ढुंढियापीपलिया रोड पर बाइक सवार एक युवक पानी में बह गया था। काफी खोजबीन के बाद भी अब तक उसका कोई अता पता नहीं मिला।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com